www.cgfrontline.com

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

■ वर्ष: 01 ■ अंक: 66 ■ जशपुर, 24 अक्टूबर 2026 (शनिवार) ■ पृष्ठ: 08 ■ मूल्य: 01 रूपये

70 बसों के परमिट रद्द, संचालकों पर बड़ी कार्रवाई

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में यात्रियों की सुरक्षा से खिलवाड़ करने और परिवहन नियमों की अनदेखी करने वाले बस संचालकों के खिलाफ परिवहन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने प्रदेश की 170 बसों के परमिट निरस्त कर उन्हें ब्लैकलिस्ट कर दिया है। इन बसों में अनिवार्य जीपीएस और पैनिक बटन जैसी सुरक्षा सुविधाओं की कमी पाई गई थी। परिवहन विभाग ने तीन महीने तक विशेष जांच अभियान चलाने और नोटिस जारी करने के बाद यह कार्रवाई की है। इसकी जानकारी अपर परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर ने दी है।

170 बसों के संचालन पर लगाई रोक

परिवहन विभाग के अनुसार, जिन 170 बसों के परमिट निरस्त किए गए हैं, उन्हें संबंधित परमिट के आधार पर संचालन की अनुमति नहीं होगी। यदि कोई संचालक इन बसों को नियमों का उल्लंघन करते हुए सड़क पर चलाता पाया गया तो वाहन जब्त करने सहित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। विभाग ने बताया कि बिना वैध परमिट बस संचालित करने पर 10 हजार रुपये तक जुर्माना और संबंधित कानूनी प्रावधानों के तहत सजा हो सकती है।

तीन महीने तक चला विशेष जांच अभियान

राज्य शासन के निर्देश पर परिवहन विभाग ने जुलाई से सितंबर 2026 तक प्रदेशभर में विशेष अभियान चलाया। इस दौरान रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, रायगढ़, जगदलपुर और अंबिकापुर सहित प्रमुख मार्गों और राष्ट्रीय राजमार्गों पर यात्री बसों की जांच की गई। परिवहन विभाग की

उड़नदस्ता टीमों और क्षेत्रीय परिवहन कार्यालयों ने बसों में व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस (VLTD) और पैनिक बटन की उपलब्धता तथा कार्यशीलता की जांच की।

जांच में सामने आईं गंभीर खामियां

परिवहन विभाग की जांच के प्रमुख आंकड़े

412 बसों में GPS नहीं
210 बसों में GPS बंद
85 पैनिक बटन खराब

170 बसों के परमिट निरस्त कार्रवाई

जांच में सामने आया कि कई बस संचालक नियमों का पालन किए बिना यात्रियों का परिवहन कर रहे थे। कुछ वाहनों में जीपीएस उपकरण लगे होने के बावजूद उन्हें बंद रखा गया था।

नोटिस के बाद भी नहीं सुधरे बस संचालक

विभाग ने पहले चरण में 300 बसों को अंतिम नोटिस जारी करते हुए सुरक्षा उपकरण लगाने के लिए 15 दिनों की मोहलत दी थी। विभागीय जानकारी के अनुसार, इनमें से 140 बस संचालकों ने जीपीएस लगवाकर पोर्टल पर पंजीयन करा लिया। वहीं 170 बस मालिकों की ओर से निर्धारित नियमों का पालन नहीं किए जाने पर उनके परमिट निरस्त करने की कार्रवाई की गई। हालांकि, उपलब्ध आंकड़ों में 300 नोटिस, 140 अनुपालन और 170 परमिट निरस्तीकरण के बीच संख्यात्मक अंतर है, जिसे विभागीय अभिलेखों से स्पष्ट किया जाना आवश्यक है।

रायगढ़ नगर निगम की वेबसाइट से छेड़छाड़, पाकिस्तानी झंडे के साथ दिखा

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ नगर निगम की आधिकारिक वेबसाइट पर पाकिस्तानी झंडे का प्रतीक और हैकिंग से जुड़ा संदेश दिखाई देने से हड़कंप मच गया। वेबसाइट पर "Hacked by Over Threes 1337" लिखा नजर आया। मामले की जानकारी मिलते ही नगर निगम प्रबंधन ने साइबर सेल में शिकायत दर्ज कराई। साइबर विशेषज्ञों की मदद से वेबसाइट से संदिग्ध झंडे और संदेश को हटा दिया गया है। फिलहाल पुलिस और साइबर सेल मामले की जांच कर रहे हैं।

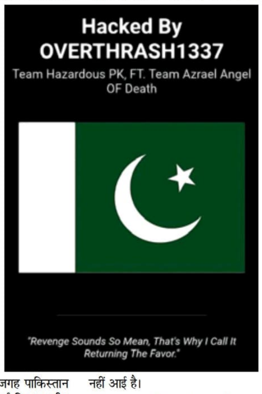

वेबसाइट पर दिखा पाकिस्तानी झंडा और हैकिंग मैसेज

नगर निगम की वेबसाइट खोलने पर सामान्य जानकारी की जगह पाकिस्तान के झंडे का प्रतीक दिखाई दिया। स्क्रीन पर हैकर का संदेश भी दर्ज था। सरकारी वेबसाइट पर इस तरह की संदिग्ध सामग्री सामने आने के बाद निगम प्रशासन हरकत में आया और मामले की शिकायत साइबर सेल से की गई।

साइबर विशेषज्ञों की मदद से हटाया गया संदेश

शिकायत के बाद वेबसाइट की जांच और संदिग्ध सामग्री हटाने के लिए साइबर विशेषज्ञों की मदद ली गई। इसके बाद पाकिस्तानी झंडे का प्रतीक और हैकिंग मैसेज हटा दिया गया। हालांकि, वेबसाइट पर यह बदलाव किसने और किस तरीके से किया, इसकी जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

साइबर सेल खंगाल रही तकनीकी साक्ष्य

मामले में सिटी कोतवाली पुलिस और साइबर सेल जांच कर रही है। जांच के जरिए वेबसाइट में अनधिकृत बदलाव की वजह और इसके पीछे शामिल व्यक्ति का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल किसी हैकर या साइबर समूह की भूमिका की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

19 लाख के लिए पहले शिक्षिका को मौत की नींद सुलाया, राज खुलने के डर से बेटे को भी मार डाला

सूरजपुर पुलिस सुलझाई अंधे कत्ल की गुत्थी, सीसीटीवी से पकड़ाया हत्यारा कारोबारी

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के महाबीरपुर जंगल में मिली लाश से शुरू हुई अंधे कत्ल की गुत्थी आखिरकार सूरजपुर पुलिस ने सुलझा ली है। मां-बेटे के डबल मर्डर के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कोई और नहीं बल्कि मृतका शिक्षिका का परिचित और कारोबारी निकला, जिसने शिक्षिका के द्वारा निकाले गए 19 लाख रुपये के लोन के लालच में इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया।

बता दें कि, बीते 10 अक्टूबर को महाबीरपुर कोरयाबारी नर्सरी जंगल के पास नाली में एक अज्ञात शव मिला। इसकी पहचान हुई सुजल बरेठ के रूप में। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या का खुलासा हुआ। मामले में थाना जयनगर में धारा 103(1) बीएनएस के तहत केस दर्ज हुआ। इसी बीच 11 अक्टूबर को विश्रामपुर थाने में अविनाश बरेठ निवासी मुक्ताराजा थाना बाराद्वार, जिला जांजगीर चांपा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि उसकी शिक्षिका बहन रजनी बरेठ ममता कॉलोनी, केशवनगर में किराए के मकान में रहती थी, जिसका मोबाइल फोन 9 अक्टूबर से बंद बता रहा है, और भांजे से संपर्क नहीं हो रहा है। बिश्रामपुर थाना आने पर उसे पता चला कि उसके भांजा सुरेश बरेठ का शव जयनगर थाना क्षेत्र में रोड किनारे मिला है, और रजनी के मकान में ताला लगा है। इसके बाद 11 अक्टूबर की रात करीब 2 बजे जब पुलिस ने किराए के मकान का ताला तोड़ा तो बाथरूम में शिक्षिका रजनी का शव मिला। गला दबाकर हत्या की पुष्टि हुई। एफएसएल

और डॉग स्क्वॉड की टीम के द्वारा साक्ष्य संकलन करने के बाद थाना विश्रामपुर में दूसरा मर्डर केस दर्ज हुआ।

सीसीटीव्ही खंगालते संदिग्ध तक पहुंची पुलिस

आईजी सरगुजा दीपक कुमार झा और पुलिस अधीक्षक योगेश पटेल के मॉनीटरिंग में टीम ने शहर के सैकड़ों सीसीटीवी खंगाले। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश देवांगन, एसडीओपी अभिषेक पैकरा के मार्गदर्शन में पुलिस और साइबर सेल अंबिकापुर की संयुक्त टीम सीसीटीव्ही फुटेज खंगाली तो मृतिका के घर ममता कॉलोनी की गली में एक संदिग्ध युवक काले टी-शर्ट और सफेद गमछे में दिखा। वही अन्य सीसीटीव्ही को खंगालने पर कार का नंबर सीजी 15 ईजी 7101 सामने आया। इसके बाद पुलिस ने कार मालिक के पता पर रेड कार्रवाई की तो संदेही प्रवेश कुमार 36 वर्ष निवासी हरियाणा, हालिश ठिकाना चोपड़ा कॉलोनी बिश्रामपुर हत्थे चढ़ गया। इस दौरान सुजल घर में था, मोबाइल चार्जर मांगने पर वह बोला नहीं है। इसके बाद वह रजनी के घर से चले गया।

आरोपी की पत्नि और रजनी एक ही स्कूल में थीं शिक्षिका

आरोपी पुन: रजनी के घर गया, इस बीच सुजल घर में था। रजनी ड्यूटी से आई और शाम को ट्यूशन के लिए सुजल चले गया। गिरफ्त में आए आरोपी ने कबूला कि, उसकी पत्नी और रजनी एक ही स्कूल में शिक्षिका थीं, इसलिए घर आना-जाना था। उसे पता था कि रजनी के खाते में 19 लाख लोन का पैसा आने वाला है। उसे खुद 20 लाख रुपये लोन चुकाना था। 9 अक्टूबर को कार धुलवाने के बहाने पैदल रजनी के घर गया। पैसा मांगने पर रजनी ने मना किया तो स्टील के बॉटल से सिर पर वार किया। रजनी भागने लगी तो बाथरूम में खींचकर ले गया। रजनी बचाव का कोशिश की तो पैर से 10 मिनट तक गला दबाकर रखा, जिससे उसकी सांस थम गई। इसके बाद घर से स्टोल लेकर भाग गया। राज खुलने के डर से आरोपी ने शिक्षिका के बेटे सुजल को भी मारने की प्लानिंग की, और कार लेकर सुजल के आने का एक घंटे इंतजार किया। सुजल के आने पर कहा, तेरी मम्मी मेरे घर में है। इसके पहले वह रजनी की स्कूटी से हेलमेट झाड़ियों में फेंका, फिर कार से सुजल को घुमाने के बहाने से कुम्दा होते हुए अंबिकापुर ले गया, मैगी खिलाई और राई जंगल में लघुशंका के बहाने कार से उतरा और गेट खोलकर स्टोल से सुजल के गले को कसा। सुजल वहां से भागा तो सीमेंट के खंभे के टुकड़े से सिर व सीने पर वार कर हत्या कर दी। इसके बाद महाबीरपुर जंगल में सुजल के शव और चुन्नी को फेंक दिया।

घर और ससुराल से मोबाइल सहित अन्य सामान बरामद

आरोपी घटना के बाद सुजल के 2 मोबाइल को अपने घर में किचन के दराज एवं रजनी के 1 मोबाइल को अंबिकापुर स्थित अपने ससुराल घर में छिपा दिया था। पुलिस ने सुजल के 2 मोबाइल को आरोपी के घर विश्रामपुर से, आरोपी के ससुराल से मृतिका का मोबाइल फोन और रजनी का आधार कार्ड, पेन कार्ड, चेक, डाईविंग लायसेंस, वोटर आईडी कार्ड, एटीएम कार्ड, सोने-चांदी का आभूषण भी बरामद किया है। आरोपी घटना में प्रयुक्त कार को जयनगर स्थित कार वासिंग सेंटर में धुलवाया और कार की मैट जिसमें खून लगा था उसे जला दिया था। पुलिस ने आरोपी के निशानदेही पर ग्राम राई जंगल से मृतक का 1 पैर का चप्पल, घटना में प्रयुक्त ग्राण्ड विटारा कार, घटना में प्रयुक्त सीमेंट खम्भा का टुकड़ा व मृतिका के सिर में प्रहार करने वाले स्टील का पानी बॉटल जप्त कर ली है।

मां कुदरगढ़ी फैक्ट्री में हेल्परी करने वाला फंदे पर झूला, बिहार से पहुंचे स्वजन सदमे में

MAA KUDARGARHI GROUP

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरगुजा जिले के रघुनाथपुर पुलिस चौकी अंतर्गत ग्राम सिलसिला स्थित मां कुदरगढ़ी एल्युमिना प्लांट के लेबर कॉलोनी में रहने वाला मजदूर युवक संदेहास्पद स्थिति में 21 अक्टूबर को फांसी पर झूल गया। फैक्ट्री के सुपरवाइजर ने अन्य लोगों के सहयोग से युवक को फंदे से उतारकर मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर पहुंचाया, लेकिन उसकी मौत हो गई थी।

पुलिस को दिए बयान में प्लांट में सुपरवाइजर के पद पर काम करने वाले लिजो साईमन पिता साईमन पी. वर्गीश (37 वर्ष) निवासी केरल, हाल मुकाम मां कुदरगढ़ी प्लांट सिलसिला ने बताया है कि अभिमन्नू कुमार पिता संपत साह 22 वर्ष, ग्राम भेखपूरवां थाना पंचरूखी जिला सीवान बिहार का रहने वाला था, जो कंपनी के अधीन हेल्पर का काम करता था। 21 अक्टूबर को वह सुबह 8 बजे से करीब 1 बजे तक काम पर था। दोपहर बाद उसने अपने साथी से तबीयत ठीक नहीं होने की बात कहकर काम पर नहीं आने की बात कही। शाम करीब 5 बजे प्लांट में काम करने वाले राहुल कुमार ने आकर बताया कि अभिमन्नू अपने रूम में नीचे गिरा हुआ है और दरवाजा अंदर से बंद है, आवाज देने पर जवाब नहीं दे रहा है। इसकी जानकारी मिलने पर वे अन्य लेबरों के साथ कॉलोनी के रूम नंबर डब्ल्यू 18 में पहुंचे। रूम खोलने पर अभिमन्नू नीचे गिरा नजर आया, उसके गले में गमछा बंधा थी और गमछी का दूसरा हिस्सा लोहे के पाइप से बंधा था। इसकी सूचना कंपनी और पुलिस चौकी रघुनाथपुर को दी गई। मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल के आपातकालीन चिकित्सा परिसर में जांच के बाद डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक के पिता को घटना की जानकारी दी गई, इसके बाद 23 अक्टूबर को वे अंबिकापुर पहुंचे। इनकी मौजूदगी में पुलिस ने अग्रिम कार्रवाई करते हुए मृतक के शव का पोस्टमार्टम कराया है। स्थानीय पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर लिया है।

> गमछे का एक हिस्सा गले में और दूसरा छोर लोहे के पाइप में बंधा था

दो दिन पहले मोबाइल पर हुई थी बात

बिहार से पहुंचे मृतक के पिता संपत साह ने बताया कि उनका लड़का अभिमन्नू मां कुदरगढ़ी एल्युमिना प्लांट में करीब तीन वर्ष से हेल्पर का काम कर रहा था। 21 अक्टूबर को सुपरवाइजर लिजो साईमन ने उनके बड़े भाई कस्तूरी लाल साह को फोन करके बताया कि उनका भतीजा कंपनी के लेबर रूम में फांसी लगा लिया है और उसकी मृत्यु हो गई है। शव जिला अस्पताल अंबिकापुर के मर्च्युरी में रखा है। सूचना पर वे अंबिकापुर पहुंचे और मर्च्युरी में रखे शव को देखे। संपत साह ने बताया कि घटना दिनांक के दो दिन पहले ही पुत्र से मोबाइल फोन पर बात हुई थी। घर का वह इकलौता कमाऊ सदस्य था। हाल में ही वह घर के खर्च के लिए दो हजार रुपये भेजा था। उन्होंने बताया बातचीत के दौरान उन्होंने अपने बेटे को छठ में घर आने के लिए कहा था। इस दौरान हुई बातचीत में उन्हें तनिक भी आभास नहीं हुआ कि वह कोई आत्मघाती कदम उठा सकता है।

सड़क को बनाया बर्थडे सेलिब्रेशन का मंच!

अभनपुर के नायब तहसीलदार का वीडियो वायरल

❐ छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सड़क पर जन्मदिन मनाने और आतिशबाजी करने के मामलों को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो रहे हैं। रायपुर जिले के अभनपुर में पदस्थ नायब तहसीलदार विपिन पटेल का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद चर्चा में आ गया है। वायरल वीडियो में बीच सड़क पर गाड़ी रोककर जन्मदिन का केक काटते और फिल्मी गाने की धुन पर जश्न मनाते हुए दिखाई देने की बात सामने आई है।

जानकारी के मुताबिक वीडियो में 'ओ ओ जाने जाना' गाने के साथ जन्मदिन सेलिब्रेशन का दृश्य नजर आ रहा है। जश्न के दौरान आतिशबाजी किए जाने की भी जानकारी सामने आई है। सड़क पर वाहन रोककर इस तरह जन्मदिन मनाने का वीडियो सामने आने के बाद सार्वजनिक सड़क पर सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

हाईकोर्ट के निर्देशों के बीच फिर चर्चा में सड़क पर जश्न

सड़क पर इस तरह के आयोजन केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहते। व्यस्त मार्ग पर वाहन रोकना, पटाखे चलाना और सड़क को सेलिब्रेशन की जगह बनाना दूसरे वाहन चालकों और राहगीरों के लिए परेशानी या खतरे का कारण बन सकता है। खासकर तब, जब ऐसे आयोजन से यातायात प्रभावित होने की आशंका हो।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट की सख्ती और सड़क सुरक्षा को लेकर जारी निर्देशों के बीच यह मामला एक बार फिर सार्वजनिक स्थानों पर नियमों के पालन का सवाल खड़ा करता है। हालांकि, वायरल वीडियो के संबंध में आयोजन की पूरी परिस्थितियों, स्थान और यातायात पर पड़े वास्तविक प्रभाव की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है।

क्या जिम्मेदार पद पर बैठे अधिकारी से जवाबदेही की उम्मीद नहीं?

नायब तहसीलदार जैसे प्रशासनिक पद पर तैनात अधिकारी से आम नागरिकों को नियमों के पालन और जिम्मेदार आचरण की अपेक्षा रहती है। ऐसे में वायरल वीडियो को लेकर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या सड़क पर इस तरह का आयोजन उचित था और क्या मामले में संबंधित विभाग की ओर से कोई कार्रवाई या स्पष्टीकरण दिया जाएगा?

फिलहाल वायरल वीडियो को लेकर प्रशासन की आधिकारिक प्रतिक्रिया और किसी कार्रवाई की पुष्टि सामने आना बाकी है। अब निगाहें इस बात पर हैं कि संबंधित अधिकारी और जिला प्रशासन इस मामले में क्या रुख अपनाते हैं।

एनएच 43 पर सड़क में मिट्टी के ढेर से दुर्घटनाग्रस्त बाइक सवार दो युवक गंभीर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर ग्राम पंचायत केशवनगर में गैस पाइपलाइन बिछाने के दौरान बरती गई कथित लापरवाही से बाइक सवार दो युवक हादसे का शिकार हो गए। केशवनगर ढोढ़ी के पास सड़क पर रखे मिट्टी के ढेर से टकराकर मोटरसाइकिल सवार दोनों युवक गिर पड़े। हादसे में उन्हें गंभीर चोटें आई हैं। घायलों को पहले जिला अस्पताल सूरजपुर ले जाया गया, जहां से बेहतर उपचार के लिए अंबिकापुर रेफर कर दिया गया। मामले में बिश्रामपुर पुलिस ने विचित्रा कंस्ट्रक्शन कंपनी के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम सायर निवासी प्रदीप सोनवानी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि 22 अक्टूबर की शाम करीब 6.50 बजे उनका छोटा भाई बृज कुमार उर्फ रंगु अपने दोस्त कन्हैया लाल के साथ मोटरसाइकिल से सूरजपुर से घर लौट रहा था। इसी दौरान ग्राम पंचायत केशवनगर में ढोढ़ी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर गैस पाइपलाइन बिछाने के लिए की गई खुदाई से निकली मिट्टी सड़क पर पड़ी थी। आरोप है कि मौके पर न तो पर्याप्त सुरक्षा संकेत लगाए गए थे और न ही वाहन चालकों को सतर्क करने के लिए समुचित व्यवस्था की गई थी। सड़क पर मिट्टी का ढेर दिखाई नहीं देने के कारण मोटरसाइकिल उस पर चढ़ गई, जिससे दोनों युवक अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर पड़े। हादसे में दोनों को गंभीर चोटें आई है। दोनों युवकों को उपचार के लिए सूरजपुर जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने बेहतर इलाज के लिए अंबिकापुर रेफर कर दिया है।घटना की शिकायत पर पुलिस ने विचित्रा कंस्ट्रक्शन कंपनी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 285 और 125 (ए) के तहत एफआईआर दर्ज की है।

सुरक्षा इंतजामों पर उठे सवाल

राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर पाइपलाइन बिछाने जैसे कार्यों के दौरान सड़क की खुदाई और निर्माण सामग्री की मौजूदगी से वाहन चालकों के लिए खतरा पैदा हो सकता है। ऐसे में चेतावनी संकेत, बैरिकेडिंग और यातायात सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम जरूरी हैं। केशवनगर ढोढ़ी के पास हुए इस हादसे ने कार्यस्थल पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस जांच के बाद ही घटना में संबंधित एजेंसी की जिम्मेदारी स्पष्ट हो सकेगी।

कल्याणपुर के पास तेज रफ्तार ट्रेलर ने कार को मारी टक्कर, कई घायल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। प्रयागराज में अस्थि विसर्जन कर अपने गांव लौट रहा पटेल परिवार लटोरी चौकी क्षेत्र के ग्राम पंचायत कल्याणपुर में सड़क हादसे का शिकार हो गया। तेज रफ्तार ट्रेलर की टक्कर से एक्सयूवी कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं कार में सवार कई लोगों को चोटें आईं।

घायलों का अम्बिकापुर और बिलासपुर के अस्पतालों में उपचार जारी है। हादसे में गंभीर रूप से घायल एक रिश्तेदार को सिम्स से रेफर किए जाने के बाद अपोलो अस्पताल बिलासपुर में भर्ती कराया गया है। लटोरी पुलिस ने बताया कि जांजगीर-चांपा जिले के ग्राम पिपरदा निवासी प्रार्थी नरोत्तम प्रसाद पटेल ने रिपोर्ट दर्ज कराया है कि उनके बड़े भाई रामेश्वर प्रसाद पटेल परिवार के सदस्यों और रिश्तेदारों के साथ 20 अक्टूबर को अस्थि विसर्जन के लिए प्रयागराज गए थे। धार्मिक कार्य संपन्न करने के बाद सभी 21 अक्टूबर को एक्सयूवी कार क्रमांक सीजी 11 बीटी 4871 से अपने गांव लौट रहे थे। तभी रात करीब 11 बजे उनकी कार को कल्याणपुर के पास सामने से आ रहे ट्रेलर क्रमांक सीजी 10 बीवाई 5199 के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोगों को चोटें आईं। रिपोर्ट के अनुसार हादसे के बाद घायलों को उपचार के लिए अम्बिकापुर के लाइफलाइन अस्पताल ले जाया गया। वहीं, रिश्तेदार जितेंद्र पटेल को गंभीर चोटें आने के कारण बिलासपुर स्थित सिम्स ले जाया गया और वहां से रेफर किए जाने के बाद उन्हें अपोलो अस्पताल बिलासपुर में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है।

हादसे के समय कार में रामेश्वर प्रसाद पटेल के अलावा 12 वर्षीय सौरभ पटेल, रूपलाल पटेल, जितेंद्र पटेल और चालक सागर पटेल सवार थे। सभी अस्थि विसर्जन के बाद वापस अपने गांव लौट रहे थे। सूचना पर पुलिस ने ट्रेलर चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

अंग्रेजी शराब दुकान के पास से चोरों ने पार किया पल्सर बाइक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर पंचायत शिवनंदनपुर स्थित शासकीय मदिरा दुकान के पास खड़ी एसईसीएल कर्मी की पल्सर आरएस 200 मोटरसाइकिल और हेलमेट को अज्ञात चोरों ने पार कर दिया है। बिश्रामपुर पुलिस को दिए आवेदन के अनुसार ग्राम करेंया निवासी अजय कुमार सिंह पिता अनिल कुमार सिंह वर्तमान में ग्राम पंचायत गेतरा में रहकर एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र की गायत्री खदान में कार्यरत हैं। गत दिनों 9 अक्टूबर को वह अपनी पल्सर आरएस 200 मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 15 ईबी 1697 से शिवनंदनपुर स्थित शासकीय मदिरा दुकान पहुंचा था। शाम करीब पांच बजे उन्होंने दुकान के पास तालाब किनारे मोटरसाइकिल खड़ी की और हेलमेट बाइक पर रख दिया। इसके बाद वह वहीं सो गए। रात करीब आठ बजे नींद खुलने पर मौके से मोटरसाइकिल और हेलमेट दोनों गायब मिले। आसपास तलाश करने के बावजूद उसका कोई सुराग नहीं मिला। पीड़ित की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

सेवा सेतु पोर्टल की नवीन सेवाओं एवं नई सुविधाओं के संबंध में ऑपरेटरों को दिया गया वर्चुअल प्रशिक्षण

दुर्ग, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर अभिजीत सिंह के निर्देशनुसार जिले में डिजिटल सुशासन को बढ़ावा देने तथा नागरिकों को शासकीय सेवाएँ सरल एवं सुगम रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 15 अक्टूबर 2026 को सेवा सेतु पोर्टल के ऑपरेटरों के लिए वर्चुअल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में पोर्टल पर जोड़ी गई नवीन सेवाओं एवं लागू की गई नई सुविधाओं के संबंध में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षण के दौरान राजस्व विभाग की ईडब्ल्यूएस (आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग) प्रमाण पत्र एवं राजपत्र संबंधी सेवाओं, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की सेवाओं जैसे विवाह प्रमाण पत्र / नल कनेक्शन आदि तथा तकनीकी शिक्षा विभाग की सेवाओं सहित अन्य नवीन सेवाओं की प्रक्रिया एवं संचालन के बारे में जानकारी दी गई।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन ई-जिला प्रबंधक एवं एवीएम टीम द्वारा किया गया। टीम ने सेवा सेतु ऑपरेटरों को नई सेवाओं के ऑनलाइन आवेदन, पोर्टल की नवीन सुविधाओं के उपयोग तथा संबंधित प्रक्रियाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया। इस प्रशिक्षण का प्रमुख उद्देश्य सेवा सेतु केंद्रों के ऑपरेटरों को पोर्टल में किए गए नवीन बदलावों से अवगत कराना, उनकी तकनीकी दक्षता बढ़ाना तथा नागरिकों को शासकीय सेवाओं का लाभ समयबद्ध, पारदर्शी एवं सुविधाजनक तरीके से उपलब्ध कराना है।

यह पहल राज्य में डिजिटल सेवा वितरण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने तथा नागरिकों को विभिन्न विभागों की सेवाएँ एक ही डिजिटल मंच के माध्यम से उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

छोटी बेटी का कराया धर्म परिवर्तन, 16 साल के बेटे को दिया लालच, दो महिलाओं के खिलाफ एफ्आईआर

रायपुर। (एजेंसी)। राजधानी के अमलीडीह इलाके में धर्मांतरण के दबाव और मारपीट का मामला सामने आया है। इस मामले में न्यू राजेंद्र नगर थाने में दो महिलाओं के खिलाफ स्नङ्कक्र दर्ज की गई है। पुलिस ने छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 2026 की धारा 16(1) के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायत के अनुसार परिवार पर धर्म परिवर्तन के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा था। आरोप है कि परिवार की छोटी बेटी का पहले ही धर्म परिवर्तन कराया जा चुका है। अब 16 वर्षीय बेटे को भी धर्म परिवर्तन के लिए प्रलोभन दिया जा रहा है।

शिकायतकर्ता का दावा है कि ईसाई धर्म नहीं अपनाने पर परिवार के साथ लात-घूंसों से मारपीट की गई। इसके साथ ही मोबाइल तोड़ने, घर में ताला लगाने और इलाज के लिए बाहर नहीं जाने देने की भी शिकायत की गई है। पीड़ित परिवार ने इस पूरे मामले की शिकायत न्यू राजेंद्र नगर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने इस मामले में विशाखा मसीह और दुलारी साहू के खिलाफ एफ्आईआर दर्ज की है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम 2026 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

धान खरीदी की तैयारियां 10 नवंबर तक पूरी करने के निर्देश

कवर्धा, छ.ग. फ्रंटलाइन। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी को सुचारू, पारदर्शी रूप से संपन्न कराने के लिए कबीरधाम जिले में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के निर्देश पर खाद्य विभाग ने नवीन धान उपार्जन समितियों एवं केंद्रों के प्रबंधकों और प्रभारियों की बैठक आयोजित कर तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं 10 नवंबर तक पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शासन की धान खरीदी संबंधी गाइडलाइन का विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। जिले में इस वर्ष समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के लिए कुल 145 उपार्जन केंद्रों की व्यवस्था की जा रही है। इनमें 108 पूर्व से संचालित तथा 37 नवीन उपार्जन केंद्र शामिल हैं। खरीदी व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सभी केंद्रों में निर्धारित मापदंडों के अनुरूप आवश्यक सुविधाएं एवं व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

बैठक में खाद्य अधिकारी ने समिति प्रबंधकों एवं केंद्र प्रभारियों से धान खरीदी की प्रारंभिक तैयारियों की बिंदुवार जानकारी ली। उन्होंने केंद्रों में सुगम पहुंच मार्ग, कार्यालय भवन, चबूतरे एवं फड़ का समतलीकरण, पेयजल, शौचालय, किसानों के बैठने और विश्राम के लिए छायादार स्थान, सुरक्षा तथा जल निकासी जैसी व्यवस्थाएं समय-सीमा में पूरी करने के निर्देश दिए। इसके अलावा तौल कांटों एवं बाटों का सत्यापन, कंप्यूटर, प्रिंटर, विद्युत व्यवस्था, बारदाना एवं अन्य आवश्यक सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। केंद्रों में सूचना पटल, आवश्यक सूचनाओं का प्रदर्शन, प्राथमिक उपचार पेटी तथा सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरों सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाएं भी निर्धारित मापदंडों के अनुसार करने के निर्देश दिए गए।

कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने पूर्व में आयोजित समीक्षा बैठक में स्पष्ट निर्देश दिए थे कि समर्थन मूल्य पर धान खरीदी केवल वास्तविक किसानों के वास्तविक रकबे के आधार पर की जाए। व्यापारियों, बिचौलियों एवं कोचियों के माध्यम से धान की अवैध खरीदी-बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने के लिए सतत निगरानी और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। धान खरीदी केंद्रों में किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए पेयजल, छाया, बैठने की व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए हैं। जिला प्रशासन का लक्ष्य सभी उपार्जन केंद्रों की तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूरी कर धान खरीदी प्रक्रिया को व्यवस्थित, पारदर्शी एवं किसान हितैषी बनाना है। बैठक एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपायुक्त सहकारिता, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक (सीसीबी) के नोडल अधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बीच सड़क पर गाड़ी रोककर काटा केक, आतिशबाजी और सलमान खान के गाने पर रील

रायपुर में नायब तहसीलदार का वीडियो वायरल

रायपुर। (एजेंसी)। राजधानी में नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी संभालने वाले एक राजस्व अधिकारी का बीच सड़क पर जन्मदिन मनाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में अभनपुर के नायब तहसीलदार विपिन पटेल गाड़ी रोककर केक काटते, आतिशबाजी की तैयारी करते और फिल्मी गाने पर रील बनाते नजर आ रहे हैं। वीडियो सामने आने के बाद सड़क सुरक्षा और सार्वजनिक जगहों पर इस तरह के आयोजनों को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

वायरल वीडियो में सलमान खान की फिल्म के चर्चित गाने %ओ ओ जाने जाना% पर रील बनाई जाती दिखाई दे रही है। इसमें पदनाम लिखी गाड़ी की डिक्की खुलने पर जन्मदिन का टैग और केक नजर आता है। गाड़ी का नंबर ष्ठत्र 04 ह्ळ्ळ 1910 बताया जा रहा है। वीडियो में एक युवक सड़क पर आतिशबाजी की तैयारी करता भी दिखाई देता है। वीडियो किस जगह और किस समय का है, इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।

नायब तहसीलदार का पद राजस्व प्रशासन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी से जुड़ा है। ऐसे में सड़क पर वाहन रोककर जन्मदिन मनाने और आतिशबाजी करने का वीडियो सामने आने के बाद अधिकारी के आचरण को लेकर चर्चा हो रही है। पब्लिक रोड पर इस तरह का आयोजन ट्रैफिक में बाधा और राहगीरों की सुरक्षा के लिहाज से भी सवाल खड़े करता है। वीडियो के आधार पर ट्रैफिक बाधित होने या किसी अन्य नियम के उल्लंघन की पुष्टि अलग से किया जाना जरूरी है। सड़क पर केक काटने और इस दौरान ट्रैफिक बाधित करने की घटनाओं को लेकर पहले भी न्यायिक स्तर पर सख्ती की बात सामने आ चुकी है। वकील विपिन अग्रवाल के मुताबिक, हाईकोर्ट सड़क पर केक काटने के मामलों में खुद संज्ञान लेकर सख्त निर्देश दे चुका है। उनके अनुसार, चीफ जस्टिस ने राज्य सरकार और पुलिस को ऐसे मामलों में कार्रवाई करने और दोषियों के ड्राइविंग लाइसेंस रद्द करने के निर्देश भी दिए थे। अब वायरल वीडियो के बाद लोग सवाल उठा रहे हैं कि जब आम लोगों पर कार्रवाई होती है, तो नियम लागू कराने वाले अधिकारियों के लिए क्या मापदंड हैं। सोशल मीडिया पर यूजर्स इस वीडियो को लेकर जमकर कमेंट कर रहे हैं और कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

सभी ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य प्रारंभ कर ग्रामीणों को रोजगार उपलब्ध कराए : कलेक्टर

कवर्धा। जिले के सभी 471 ग्राम पंचायतों में विकसित भारत जीरामजी योजना के द्वारा निर्माण कार्य प्रारंभ कर ग्रामीणों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराये। निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का ध्यान रखते हुए समय पर कार्य पूरा करे एवं मजदूरी भुगतान में विलंब न हो इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखने के निर्देश कलेक्टर श्रीमती तुलीका प्रजापति द्वारा सभी जनपद पंचायत सीईओ एवं कार्यक्रम अधिकारियों को दिये गये। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा कि शासन की योजनाएं सभी पात्र लाभार्थियों तक समय पर पहुंचे यह सुनिश्चित करें। निर्माण कार्य में लापरवाही बरतने, कार्य की गुणवत्ता सही नहीं होने पर एवं अनियमितता की शिकायत पर संबंधितों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। सभी ग्राम पंचायतों में श्रम मूलक कार्यों की स्वीकृति, बालिका शौचालय, मुक्तिधाम शेड निर्माण कार्य, आजीविका डबरी, तालाब एवं डबरी गहरीकरण, सैण्ड फिल्टर बोरवेल रिर्चाज पीट सहित अन्य कार्यो की कार्यवार समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अभिषेक अग्रवाल भी उपस्थित रहें।

प्रधानमंत्री जनमन आवास अंतर्गत पूर्णता हेतु शेष 3493 आवास को शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश मैदानी कर्मचारियों को दिये गये।

निर्माण अवस्था अनुसार हितग्राहियों को राशि जारी करने कहा गया।प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत सभी कार्यों को प्रारंभ कराते हुए समय पर पूरा करने के निर्देश दिये गये। स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत ठोस अपशिष्ठ प्रबंधन नियम 2026 के क्रियान्वयन हेतु चयनित 62 ग्राम पंचायतों में यूजर चार्ज, कचरा कलेक्शन एवं शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देश अनुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति ने फिकल स्लूज ट्रिटमेंट प्लांट यूनिट, प्लास्टिक अपशिष्ठ प्रबंधन यूनिट, सामुदायिक शौचालय निर्माण एवं व्यक्तिगत परिवारिक शौचालय की कार्यवार समीक्षा की गई। क्रेडा विभाग के द्वारा निर्मित किये जाने वाले बायोगैस प्लांट की कार्यवार समीक्षा करते हुए सभी निर्माण कार्य को 31 मार्च 2027 के पहले पूर्ण करने के निर्देश दिये गये है।

तहसीलदार के संरक्षण में हो रहा अतिक्रमण ,पीड़ित ने न्याय की गुहार लगाई अफसर को हटाने की भी मांग

दुर्ग, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले के ग्राम अंजोरा (É) निवासी भूखनलाल देशमुख का कहना है कि उनके मकान एवं व्यारा के सामने करीब 25 फीट चौड़ी शासकीय आम सड़क पर गांव के ही पुनीत साहू,लेखराम साहू और नारद ने अतिक्रमण कर बाउंड्रीवॉल ,सेप्टिक टैंक ,शौचालय ,मकान और दुकान बना लिया है ,इसके चलते गांव के किसानों को अपने कृषि उपकरण ,ट्रैक्टर ,हार्वेस्टर आदि लाने ले जाने में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस अतिक्रमण की शिकायत उन्होंने नायब तहसीलदार ढालसिंह बिसेन के पास किया था, जिस पर उन्होंने संबंधित व्यक्तियों को अतिक्रमण हटाने के लिए आदेश पारित किया था इसके बाद भी अतिक्रमणकारियों को कोई फर्क नहीं पड़ा । श्री देशमुख ने बताया कि इस आशय की शिकायत अनुविभागीय अधिकारी के पास भी की थी लेकिन ना अतिक्रमण हटा और ना ही संबंधित लोगों के ऊपर कोई कार्यवाही हुई। अभी कुछ दिनों पूर्व नायब तहसीलदार ने राजस्व निरीक्षक नगपुरा रत्ना शर्मा को अतिक्रमण स्थल का विधिवत तरीके से निरीक्षण एवं सीमांकन कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था किंतु वह स्वयं न जाकर पटवारी गीतानंद पांडे और जयप्रकाश यादव को भेज दिया। दोनों पटवारियों के प्रतिवेदन को फर्जी निरूपित करते हुए श्री देशमुख ने बताया कि उन्होंने शासकीय नक्शे की प्रतिलिपि दिखाकर सीमांकन करने का आग्रह किया था किंतु दोनों पटवारियों ने ऐसा नहीं किया। इससे अतिक्रमण कारियों का मनोबल बढ़ा हुआ है।उन्होंने जनदर्शन अधिकारी से मांग की है, कि उन अतिक्रमण कारियों को संरक्षण देने वाले नायब तहसीलदार ,राजस्व निरीक्षक और दोनों पटवारियों पर विभागीय जांच कर उचित कार्यवाही किए जाने के साथ-साथ ग्राम वासियों को राहत प्रदान करने 25 फीट चौड़ी सड़क पर से अतिक्रमण शीघ्र हटाई जाए।

बस्तर दशहरा की अनूठी परंपराओं और जनजातीय संस्कृति की सराहना की

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर, । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज बस्तर की आराध्य देवी माँ दंतेश्वरी की पावन भूमि जगदलपुर में आयोजित विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरा उत्सव में शामिल हुईं। इस अवसर पर उन्होंने बस्तर दशहरा की विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं की सराहना करते हुए इसे छत्तीसगढ़ के सांस्कृतिक गौरव, सामूहिक आस्था, सामाजिक समरसता और जनजातीय विरासत का जीवंत प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि लगभग 75 दिनों तक चलने वाला यह अनूठा उत्सव विभिन्न समुदायों को एक सूत्र में बांधने और पीढिों से चली आ रही परंपराओं को संरक्षित रखने का उत्कृष्ट उदाहरण है। राष्ट्रपति ने माँ दंतेश्वरी को नमन करते हुए कहा कि बस्तर दशहरा जैसे विश्वप्रसिद्ध उत्सव में शामिल होना उनके लिए विशेष प्रसन्नता का विषय है। इस उत्सव की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें विभिन्न गोत्रों, समुदायों और समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता रहती है। रथ निर्माण से लेकर रथ खींचने, पूजा-अर्चना और विभिन्न अनुष्ठानों तक प्रत्येक समुदाय अपनी परंपरागत जिम्मेदारी का निर्वहन करता है। यह सामूहिक सहभागिता सामाजिक एकता, आपसी सहयोग और सांस्कृतिक निरंतरता का असाधारण उदाहरण है।

मुरिया दरबार लोकतांत्रिक परंपराओं का उत्कृष्ट उदाहरण-राष्ट्रपति

राष्ट्रपति मुर्मु ने बस्तर दशहरा के अंतर्गत आयोजित होने वाले मुरिया दरबार की परंपरा को जमीनी स्तर पर लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि इस परंपरा में समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधि एक साथ बैठकर जनसमस्याओं, आवश्यकताओं और सामाजिक विषयों पर विचार-विमर्श करते हैं। सामूहिक संवाद के माध्यम से निकाले गए समाधान समाज की खुशहाली और आपसी सहयोग का मार्ग प्रशस्त करते हैं। ऐसी परंपराएं भारतीय लोकतंत्र की

जड़ों को मजबूत करती हैं और लोकतांत्रिक मूल्यों को नई प्रतिष्ठा प्रदान करती हैं। उन्होंने कहा कि लगभग दो माह पूर्व राष्ट्रपति भवन में बस्तर के प्रतिनिधिमंडल से उनकी मुलाकात हुई थी। इसमें बस्तर पंडुम के विजेताओं के साथ बस्तर के परगना मांझी और चालकी भी शामिल थे। बस्तर पंडुम जैसे आयोजन जनजातीय युवाओं को अपनी संस्कृति, रीति-रिवाजों और परंपराओं से जोड ? में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

जनजातीय समाज की प्रतिभाओं को अवसर देना आवश्यक

राष्ट्रपति ने कहा कि जनजातीय समाज में अपार प्रतिभा और संभावनाएं हैं। उचित अवसर, प्रोत्साहन और संसाधन उपलब्ध होने पर जनजातीय समाज के बेटे-बेटियां जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में देश का गौरव बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बस्तर ओलंपिक में जनजातीय युवाओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि खेल प्रतिभाओं को उचित मंच मिलने से बस्तर के युवा भविष्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकते हैं और ओलंपिक जैसे प्रतिष्ठित आयोजनों में पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ा सकते हैं। राष्ट्रपति ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद की समस्या से मुक्ति और सुरक्षा एवं विकास के क्षेत्र में हो रहे सकारात्मक बदलावों का उल्लेख करते हुए केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद की पीड़ा से मुक्त होकर यह क्षेत्र प्रगति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि बस्तर के युवा और जनजातीय समुदाय के लोग अपनी प्रतिभा, परिश्रम और सहभागिता से देश की विकास यात्रा में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

दंडकारण्य की सांस्कृतिक स्मृतियों में रची-बसी है बस्तर की विरासत

राष्ट्रपति मुर्मु ने बस्तर क्षेत्र के ऐतिहासिक एवं धार्मिक महत्व का उल्लेख करते हुए कहा कि रामायण में इस अंचल का संबंध दंडकारण्य से जोड़ा जाता है। भगवान राम के वनवास से संबंधित अनेक प्रसंग इस क्षेत्र की सांस्कृतिक स्मृतियों में विद्यमान हैं। माता शबरी के प्रसंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज की सांस्कृतिक विरासत भारतीय परंपरा का अभिन्न अंग है।

संभाग स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिताः बलसेढ़ी और तालपारा की टीमों ने दर्ज की जीत

गांधी स्टेडियम में सुपर लीग मुकाबलों में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। शहर के गांधी स्टेडियम में आयोजित संभाग स्तरीय नॉकआउट कम लीग फुटबॉल प्रतियोगिता-2026 के सुपर लीग मुकाबलों के तीसरे दिन दो रोमांचक मैच खेले गए। पहले मुकाबले में फुटबॉल क्लब बलसेढ़ी ने एमएफसी कपसरा को 1-0 से हराया, जबकि दूसरे मैच में सूरज क्लब तालपारा ने न्यू स्टार क्लब कोटेया को 2-0 से शिकस्त दी। दिन का पहला मुकाबला एमएफसी कपसरा और फुटबॉल क्लब बलसेढ़ी के बीच खेला गया। मैच के पहले हाफ में

बलसेढ़ी की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक गोल की बढ़त हासिल कर ली। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने बेहतर तालमेल के साथ खेलते हुए गोल करने के प्रयास किए, लेकिन कोई भी टीम गोल करने में सफल नहीं हुई। इस तरह बलसेढ़ी ने 1-0 से मुकाबला अपने नाम किया। दिन का दूसरा मैच न्यू स्टार क्लब कोटेया और सूरज क्लब तालपारा के बीच खेला गया। पहले हाफ में तालपारा की टीम ने बेहतरीन तालमेल के साथ लगातार गोल करने के प्रयास किए, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया और एक-दूसरे के गोलपोस्ट पर लगातार हमले किए। मुकाबले के अंतिम क्षणों में तालपारा की टीम ने शानदार दो गोल दागकर 2-0 से जीत दर्ज की। मैचों के दौरान निर्णायक के रूप में दिनेश तिर्की, आयुष, शिवकुमार, सुशील राम बहादुर लांबा और विनोद ने अपनी भूमिका निभाई। इस अवसर पर सचिव दीपक कुजूर, उप सचिव दिनेश जायसवाल और कमलेश किसपोट्टा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

कल खेले जाएंगे दो मुकाबले

प्रतियोगिता के अगले दिन दो मैच खेले जाएंगे। पहला मुकाबला मेडराखुर्द और एफसी परसोढ़ी के बीच होगा, जबकि दूसरे मैच में रेलवे करंजी की टीम सरगुजा-11 से भिड़ेगी।

सरगुजा से प्रदेशव्यापी खेत बचाओ अभियान रबी-2026 का शुभारंभ

कृषि संचालक राहुल देव ने किसानों को वैज्ञानिक और प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए किया प्रेरित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर, । छत्तीसगढ़ में मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, उन्नत कृषि तकनीकों के प्रसार और टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रदेशव्यापी ह्यखेत बचाओ अभियान रबी-2026ह्ल का शुभारंभ शुक्रवार को सरगुजा जिले से किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र, सरगुजा में आयोजित कार्यक्रम में संचालक कृषि राहुल देव ने अभियान की शुरूआत की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राहुल देव ने कहा कि खेती को

लाभकारी और टिकाऊ बनाने के लिए वैज्ञानिक कृषि तकनीकों को किसानों के खेतों तक पहुंचाना जरूरी है। उन्होंने प्राकृतिक खेती अपनाने और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने पर जोर देते हुए किसानों से आधुनिक कृषि पद्धतियों का उपयोग करने की अपील की। इस अवसर पर खरीफ-2026 के दौरान सरगुजा जिले के विभिन्न विकासखंडों में संचालित अभियान की गतिविधियों, छायाचित्रों और किसानों की प्रतिक्रियाओं पर आधारित संकलन का विमोचन किया गया। वहीं, राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-तिलहन के तहत किसानों को सरसों बीज वितरित किए गए, जिससे रबी सीजन में तिलहनी फसलों की खेती और फसल विविधीकरण को प्रोत्साहन मिलेगा। कार्यक्रम के तकनीकी सत्र में कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने किसानों को उन्नत कृषि पद्धतियों, प्राकृतिक खेती और नई तकनीकों की जानकारी दी। किसानों की कृषि संबंधी समस्याओं और जिज्ञासाओं का समाधान भी किया गया। कार्यक्रम के बाद कृषि संचालक राहुल देव ने कृषि विज्ञान केंद्र की मशरूम उत्पादन, पशुपालन, बायोफ्लॉक और प्राकृतिक खेती इकाइयों का निरीक्षण किया तथा कृषि नवाचारों की जानकारी ली। इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर के वरिष्ठ अधिकारी, कृषि विभाग एवं कृषि विज्ञान केंद्र के अधिकारी-कर्मचारी और विभिन्न क्षेत्रों से आए किसान उपस्थित रहे।

बर्खास्त आरक्षक लक्ष्मण गाईन के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति मामले में चालान पेश, 1.03 करोड़ की गड़बड़ी का आरोप

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

बिलासपुर, । छत्तीसगढ़ में भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) बिलासपुर ने जीआरपी के बर्खास्त आरक्षक लक्ष्मण गाईन के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में विशेष न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया है। विवेचना के अनुसार, आरोपी की ज्ञात आय और खर्च के विश्लेषण में 1 करोड़ 3 लाख 33 हजार 33 रुपये 50 पैसे का अंतर पाया गया है। एसीबी के मुताबिक, जांच अवधि में लक्ष्मण गाईन की कुल आय 86 लाख 76 हजार 270 रुपये रही, जबकि कुल व्यय 1 करोड़ 90 लाख 9 हजार 303 रुपये 50 पैसे दर्ज किया गया। इस आधार पर ज्ञात आय से 1 करोड़ 3 लाख 33 हजार 33 रुपये 50 पैसे अधिक खर्च पाया गया। इस मामले में अपराध क्रमांक 58/2024 दर्ज कर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 13(1)(बी) और 13(2) के तहत जांच की गई।

घर समेत कई ठिकानों पर हुई थी छापेमारी

मामले की जांच के दौरान 1 दिसंबर 2024 को एसीबी ने आरोपी के बिलासपुर स्थित निवास सहित अन्य ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान आय, व्यय और संपत्ति से जुड़े दस्तावेजों की जांच की गई। विवेचना में पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद एसीबी ने विशेष न्यायाधीश, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, बिलासपुर के न्यायालय में अभियोग पत्र पेश किया है।

गांजा तस्करी मामले में भी आरोपी

लक्ष्मण गाईन के खिलाफ गांजा तस्करी से जुड़े मामले में भी अपराध दर्ज है। आरोप है कि जीआरपी में पदस्थ रहने के दौरान उन्होंने अन्य आरक्षकों के साथ मिलकर ट्रेनों में गांजा तस्करी करने वालों से गांजा जब्त किया, लेकिन नियमानुसार कार्रवाई करने के बजाय उसे अपने पास रख लिया। आरोप यह भी है कि एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई नहीं करने के बदले संबंधित लोगों से पैसे लेकर आपस में बांटे गए। इस मामले में जीआरपी थाना बिलासपुर में अपराध क्रमांक 117/2024 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) और 29 में मामला दर्ज किया गया था। जांच के बाद एसीयू बिलासपुर ने विशेष न्यायाधीश, एनडीपीएस एक्ट के न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया था।

नवंबर 2024 में सेवा से किया गया था बर्खास्त

गांजा तस्करी से जुड़े मामले में सामने आए आरोपों और संबंधित आचरण के आधार पर पुलिस अधीक्षक रेल, छत्तीसगढ़ ने 19 नवंबर 2024 को लक्ष्मण गाईन को सेवा से पृथक कर दिया था। वर्तमान में वह गांजा तस्करी से जुड़े मामले में बिलासपुर जेल में निरुद्ध है। अब आय से अधिक संपत्ति मामले में अभियोग पत्र पेश होने के बाद न्यायालय में आगे की कार्रवाई होगी।

ओड़गी में चोरी की वारदातों से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

ओड़गी। सूरजपुर जिले के ओड़गी ब्लॉक अंतर्गत चेन्द्रा चौकी क्षेत्र में चोरी की लगातार सामने आ रही घटनाओं से व्यापारियों और स्थानीय लोगों की चिंता बढ़ गई है। ग्राम पकनी में किराना दुकान की पिछली दीवार में छेद कर हजारों रुपये का सामान चोरी कर लिया गया। इससे पहले चौक स्थित पेट्रोल पंप से डीजल चोरी की घटना भी सामने आ चुकी है। इन घटनाओं के बाद क्षेत्र में पुलिस की रात्रिकालीन गश्त और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। पुलिस में दर्ज एफआईआर के अनुसार, ग्राम पकनी निवासी संदीप गोयल ने 21 अक्टूबर की रात करीब 8:30 बजे अपनी किराना दुकान बंद की

थी। अगले दिन 22 अक्टूबर की सुबह करीब 7:30 बजे जब उनका भाई प्रवीण गोयल दुकान खोलने पहुंचा, तो गोदाम की पिछली दीवार में छेद दिखाई दिया। दुकान की जांच करने पर किराना सामान गायब मिला। इसके बाद दुकानदार को सूचना दी गई और पुलिस चौकी में शिकायत दर्ज कराई गई। शिकायत के मुताबिक, अज्ञात चोर दुकान से रिफाइंड तेल, विभिन्न प्रकार के तेल, साबुन, सिगरेट, चिकन मसाला सहित अन्य सामान ले गए। चोरी गए सामान की कुल कीमत 28 हजार 920 रुपये बताई गई है। पुलिस ने 22 अक्टूबर को भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) और 305 के तहत अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से स्थानीय व्यापारियों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। क्षेत्र में रात्रिकालीन गश्त को लेकर भी नाराजगी सामने आ रही है।

राष्ट्रीय राजमार्ग 343 की बदहाली पर फूटा लोगों का गुस्सा, नगरवासियों ने किया चक्काजाम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजगंज । राष्ट्रीय राजमार्ग-343 के निर्माण कार्य में कथित लापरवाही और धीमी गति से काम किए जाने को लेकर शुक्रवार को नगरवासियों का गुस्सा फूट पड़ा। मंत्री रामविचार नेताम और कलेक्टर के निर्देशों के बावजूद सड़क निर्माण कार्य में अपेक्षित सुधार नहीं होने से नाराज नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्रवासियों ने चक्काजाम कर दिया। चक्काजाम के कारण राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन प्रभावित हुआ। कलेक्टर से नगर पालिका अध्यक्ष की बातचीत के बाद करीब आधे घंटे में चक्काजाम समाप्त किया गया। चक्काजाम की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। इस दौरान नगरवासियों ने सड़क निर्माण से जुड़ी समस्याओं को उठाते हुए संबंधित ठेकेदार और अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर चल रहे निर्माण कार्य के दौरान बरती जा रही लापरवाही का खामियाजा प्रतिदिन हजारों लोगों को भुगतना पड़ रहा है।

पानी का छिड़काव नहीं होने से धूल से लोग परेशान

नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल सहित प्रदर्शन में शामिल जनप्रतिनिधियों ने कहा कि सड़क निर्माण के दौरान नियमित रूप से पानी का छिड़काव नहीं किया जा रहा है। इसके चलते सड़क पर धूल का गुबार उड़ता रहता है, जिससे राहगीरों, वाहन चालकों, दुकानदारों और स्थानीय निवासियों को परेशानी हो रही है। निर्माण कार्य के दौरान सड़क पर मिट्टी डालने से धूल की समस्या और बढ़ गई है। लोगों का कहना है कि यदि नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जाए तो धूल से होने वाली परेशानी को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

सड़क का एलाइनमेंट और बिजली पोल शिफ्टिंग भी बना परेशानी का कारण

प्रदर्शनकारियों ने सड़क के एलाइनमेंट को दुरुस्त नहीं किए

जाने पर भी सवाल उठाए। उनका आरोप है कि निर्माण कार्य में आवश्यक सुधार नहीं किया जा रहा है, वहीं बिजली के खंभों की शिफ्टिंग का काम भी लापरवाही के साथ किया जा रहा है। इन समस्याओं के कारण सड़क निर्माण की प्रक्रिया प्रभावित हो रही है और आम लोगों को आवागमन में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

नाली निर्माण में भी अनदेखी का आरोप

नगरवासियों ने नाली निर्माण कार्य में भी लापरवाही बरते जाने की बात कही। उनका कहना है कि नाली निर्माण के दौरान पानी का उचित उपयोग नहीं किया जा रहा है। वहीं, नाली का स्तर ऊंचा हो जाने के कारण कई स्थानों पर लोगों के घरों और अन्य रास्तों से आवागमन में परेशानी उत्पन्न हो रही है। प्रदर्शनकारियों के मुताबिक, नाली निर्माण के बाद जहां नाली के किनारे मिट्टी भरकर रास्ते को सुचारु रखना जरूरी है, वहां भी अपेक्षित काम नहीं किया जा रहा है। इससे स्थानीय निवासियों को अपने घरों और प्रतिष्ठानों तक आने-जाने में परेशानी हो रही है।

निर्देशों के बाद भी सुधार नहीं होने से नाराजगी

नगरवासियों का कहना है कि राष्ट्रीय राजमार्ग-343 का निर्माण क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण है, लेकिन निर्माण कार्य के दौरान बुनियादी व्यवस्थाओं की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। मंत्री रामविचार नेताम और कलेक्टर के निर्देशों के बाद भी यदि निर्माण कार्य में लापरवाही जारी रहती है, तो इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ता है। नगर पालिका अध्यक्ष रमन अग्रवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष सीताराम गुप्ता, पूर्व जनपद उपाध्यक्ष बीडी लाल गुप्ता, भाजपा युवा मोर्चा के पूर्व जिला महामंत्री अश्वनी गुप्ता, वार्ड क्रमांक 15 के पार्षद सिद्धांत यादव, अजय गुप्ता सहित बड़ी संख्या में नगरवासी एवं क्षेत्रवासी चक्काजाम में शामिल रहे। कलेक्टर से बातचीत के बाद चक्काजाम समाप्त होने से आवागमन बहाल हो गया, लेकिन सड़क निर्माण में तेजी लाने, नियमित पानी का छिड़काव करने, एलाइनमेंट सुधारने, बिजली के खंभों की शिफ्टिंग व्यवस्थित ढंग से कराने तथा नाली निर्माण के बाद रास्तों को सुचारु बनाने की मांग अब भी प्रमुख बनी हुई है।

सम्पादकीय

बैंकिंग सुरक्षा को और फुलप्रूफ करना जरूरी

बैंक की तिजोरी में रखा पैसा ही नहीं, बल्कि ग्राहकों का भरोसा भी सबसे अहम पूंजी है। इस भरोसे की बुनियाद तब कमजोर पड़ जाती है, जब ग्राहकों की निजी जानकारी असुरक्षित हो या डेटा लीक जैसी घटनाएं सामने आएं। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के करीब 4,000 ग्राहकों के डेटा के डार्क वेब पर मिलने और एचडीएफसी बैंक के दो वरिष्ठ अधिकारियों पर कारोबारी गोपनीयता लीक करने के आरोपों ने बैंकिंग सुरक्षा की इसी बुनियादी कमजोरी पर सवाल खड़े किए हैं। दोनों मामलों की प्रकृति अलग है और जांच के निष्कर्ष आने बाकी हैं, लेकिन साझा चिंता बेहद गंभीर है। बैंकिंग सुरक्षा का दायरा केवल हैकरों से बचाव तक सीमित नहीं रह सकता; इसे डेटा तक पहुंच, उसके इस्तेमाल और हर स्तर पर जवाबदेही सुनिश्चित करनी होगी। एसबीआई के मुताबिक, जांच में ग्राहकों के रिकॉर्ड में व्यक्तिगत पहचान से जुड़ी जानकारियां मिली हैं। इनमें नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल, जन्मतिथि, पता और बैंकिंग पहचान संबंधी विवरण शामिल हैं। ऐसी जानकारियां अपराधियों के हाथ लगने पर फर्जी बैंक अधिकारी बनकर फोन करने, विश्वास जीतकर गोपनीय जानकारी हासिल करने और वित्तीय धोखाधड़ी का रास्ता खोल सकती हैं। खाते से पैसा निकलने के बाद नुकसान का पता चलना एक स्थिति है, जबकि निजी जानकारी अपराधियों के पास पहुंचने के बाद उसके दुरुपयोग की आशंका लंबे समय तक बनी रह सकती है। एचडीएफसी बैंक का मामला सुरक्षा की दूसरी परत उजागर करता है। यहां दो वरिष्ठ अधिकारियों पर कारोबारी गोपनीयता भंग करने के आरोप हैं। जांच पूरी होने से पहले किसी को दोषी ठहराना उचित नहीं होगा, लेकिन यह सवाल अनदेखा नहीं किया जा सकता कि संवेदनशील सूचनाओं तक पहुंच रखने वाले अधिकारियों की निगरानी कितनी प्रभावी है। किसी बैंक की ऋण संबंधी जानकारी, कारोबारी रणनीति और आंतरिक दस्तावेज भी उसकी संपत्ति हैं। खतरा केवल बाहरी सेंधमारी का नहीं, आंतरिक नियंत्रण की कमजोरी का भी है। इस चुनौती से निपटने के लिए बैंकों को घोषणाओं से आगे बढ़कर ठोस व्यवस्था लागू करनी होगी। पहला कदम यह हो कि प्रत्येक कर्मचारी को केवल उतने ही डेटा तक पहुंच मिले, जितनी उसके काम के लिए जरूरी है। ग्राहकों के रिकॉर्ड देखने, डाउनलोड करने, साझा करने और उनमें बदलाव करने की गतिविधियों का सुरक्षित डिजिटल रिकॉर्ड रखा जाए। दूसरा, स्वतंत्र साइबर सुरक्षा ऑडिट और सुरक्षा प्रणालियों की नियमित जांच जरूर हो। परीक्षण केवल ऑनलाइन बैंकिंग तक सीमित न रहें, बल्कि ऋण दस्तावेजों, आंतरिक नेटवर्क, ईमेल और बाहरी सेवा प्रदाताओं तक फैले हों। गंभीर खामियों को दूर करने की समयसीमा तय हो और बैंक का शीर्ष प्रबंधन इसकी जवाबदेही ले। तीसरा, डेटा लीक की आशंका सामने आते ही प्रभावित प्रणालियों को सुरक्षित करने, डिजिटल साक्ष्य बचाने, स्रोत का पता लगाने और जोखिमग्रस्त ग्राहकों को समय पर सूचित करने की स्पष्ट प्रक्रिया हो। चौथा, आंतरिक गोपनीयता के उल्लंघन पर निष्पक्ष जांच और दोष साबित होने पर बिना भेदभाव कार्रवाई हो। भारतीय रिजर्व बैंक और संबंधित साइबर सुरक्षा एजेंसियों को भी नियमों के अनुपालन की प्रभावी निगरानी करनी चाहिए। एसबीआई और एचडीएफसी बैंक से जुड़े मामलों की जांच अपने निष्कर्ष तक पहुंचेगी, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था सुधारने का काम अभी शुरू होना चाहिए। ग्राहकों का भरोसा बचाना है तो बैंकिंग सुरक्षा को वास्तव में और फुलप्रूफ बनाना ही होगा।

मुद्दा
राजकुमार सिंह

वैश्विक जन असंतोष के कारण भी समझें

> अमेरिका को अपवाद मान लें तो शेष विश्व के लिए यूरोप स्वप्न लोक की तरह है। वहां का विकास, संपन्नता और चमक-दमक वाली जीवन शैली आकर्षित करती है। अगर वहां बसना वश की बात न हो, तो घूमने हर कोई जाना चाहता है। उसी यूरोप के कई देशों से अब डरावनी खबरें और तस्वीरें आ रही हैं। फ्रांस, यूरोप के बड़े और विकसित देशों में से है, लेकिन वहां सात-आठ लाख लोग सरकार के विरोध में सड़कों पर आ गए। राजधानी पेरिस में ही एक लाख से ज्यादा लोग सड़कों पर नजर आए। फ्रांस के कई शहरों में आगजनी और लूटपाट के दृश्य आम हो गए। फ्रांस में जन असंतोष के संकेत पहले भी मिलते रहे हैं, लेकिन सरकार उन्हें समय रहते समझने और सुलझाने में विफल रही।

अमेरिका को अपवाद मान लें तो शेष विश्व के लिए यूरोप स्वप्न लोक की तरह है। वहां का विकास, संपन्नता और चमक-दमक वाली जीवन शैली आकर्षित करती है। अगर वहां बसना वश की बात न हो, तो घूमने हर कोई जाना चाहता है। उसी यूरोप के कई देशों से अब डरावनी खबरें और तस्वीरें आ रही हैं। फ्रांस, यूरोप के बड़े और विकसित देशों में से है, लेकिन वहां सात-आठ लाख लोग सरकार के विरोध में सड़कों पर आ गये। राजधानी पेरिस में ही एक लाख से ज्यादा लोग सड़कों पर नजर आये। फ्रांस के कई शहरों में आगजनी और लूटपाट के दृश्य आम हो गये।

बेशक राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की सख्ती और दो हजार से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी के बाद हिंसा पर अंकुश लग सकता है, लेकिन विकास की चकाचौंध के पीछे का अंधेरा बेनकाब हो गया है। फ्रांस में जन असंतोष के संकेत पहले भी मिलते रहे हैं, लेकिन सरकार उन्हें समय रहते समझने और सुलझाने में विफल रही। चमक-दमक वाली जीवन शैली के अलावा पेरिस फैशन, परफ्यूम और ऐतिहासिक इमारतों के लिए जाना जाता है। 143 साल पुराने टाउन हॉल को दंगाइयों ने जला दिया। फ्रांस सरीखे विकसित और आधुनिक देश में ऐसे डरावने दृश्यों ने कई सवाल खड़े किए हैं, लेकिन विडंबना है कि जवाब सोच और सुविधा के अनुसार दिए जा रहे हैं। फ्रांस में अगले साल चुनाव हैं। इसलिए इस हिंसा के राजनीतिक प्रभाव से इनकार नहीं किया जा सकता। कई जानकार इसमें कट्टर वामपंथ और आप्रवासियों की भूमिका भी देख रहे हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तो सीधे-सीधे मुस्लिम आप्रवासियों को निशाने पर लेते हुए कहा है कि पेरिस जल्दी ही मुस्लिम शहर बन जाएगा।

ट्रंप ने मैक्रों को सीमाएं बंद करने की सलाह देते हुए कहा है कि फ्रांस में जो कुछ हो रहा है, उसका संबंध स्कूल या किसी और चीज से नहीं, बल्कि आप्रवासन से है। आप्रवासन के मामले में फ्रांस यूरोप के सबसे उदार देशों में से है। इसका असर जनसांख्यिकी परिवर्तन के रूप में दिखता भी है। जनसांख्यिकी परिवर्तन से किसी देश या शहर का स्वरूप बदलने और सामाजिक चुनौतियां पैदा होने से भी इनकार नहीं किया जा सकता। पिछले एक दशक में ही फ्रांस ने इस्लामी आतंकवाद के कई दंश झेले हैं। इसलिए यूरोपीय देशों को को राष्ट्रहित में भी आप्रवासन नीतियों पर तो पुनर्विचार करना ही चाहिए, लेकिन सिर्फ आप्रवासियों को हर समस्या के लिए जिम्मेदार ठहराना सच से मुंह चुराना ही होगा।

सच यह भी है कि अन्य देशों की तरह फ्रांस में भी संसाधनों और संपत्ति पर मुठ्ठी भर लोगों का कब्जा है और बड़ी आबादी के लिए जीवन यापन मुश्किल होता जा रहा है। शायद इसलिए भी पिछले महीने स्कूलों की बदहाली के विरोध में शुरू आंदोलन को अचानक सरकार विरोधी हिंसक आंदोलन में तब्दील कर पाना आसान रहा। बेशक मुद्दों की वास्तविकता के बावजूद किसी आंदोलन को हिंसक और अराजक होने की अनुमति नहीं दी जा सकती। आंदोलनकारियों की आड़ में असामाजिक- आपराधिक तत्व अपने मंसूबों को अंजाम देने में सफल हो गये, तो यह सरकार और कानून-व्यवस्था के लिए जिम्मेदार एजेंसियों की भी नाकामी है। लाखों लोग सड़कों पर आगजनी और लूट

के लिए उतर आये, पर पुलिस और खुफिया तंत्र को भनक भी नहीं लगी। आगजनी और लूट में संलिप्त लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई और उन्हीं से नुकसान की भरपाई सही सोच है, लेकिन आंदोलन को वामपंथियों और आप्रवासियों की कारगुजारी बता देने भर सरकार अपनी जिम्मेदारी और जवाबदेही से मुक्त नहीं हो सकती। मैक्रों सरकार को बढ़ती आर्थिक विषमता, महंगाई और बेरोजगारी से मुश्किल होते जीवन यापन जैसे आम आदमी से जुड़े अहम मुद्दों से मुंह चुराने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। अगर सरकार ने आम आदमी के जीवन यापन को आसान बनाने के लिए जरूरी कदम उठाये होते और स्कूलों की बदहाली के विरुद्ध आंदोलन से भी समय रहते संवाद के जरिये निपटने की कोशिश की होती तो शायद असामाजिक-आपराधिक तत्व उसमें घुस कर अपने मंसूबों को अंजाम नहीं दे पाते। फ्रांस के हालात जैसे ही संकेत कुछ अन्य यूरोपीय देशों से भी मिल रहे हैं। मिलान, इटली की राजधानी नहीं है, लेकिन उसे दुनिया की फैशन-राजधानी कहा जाता है। मिलान भी खूबसूरती और संपन्नता के लिए मशहूर है, लेकिन वहां से भी पिछले कुछ दिनों से उग्र जन असंतोष की खबरें और तस्वीरें आ रही हैं। इटली में भी जन असंतोष कई शहरों तक फैल चुका है और हिंसा में 100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों के घायल होने की खबरें हैं। उसके मूल में भी कमोवेश फ्रांस जैसे ही कारण हैं। बेलगाम महंगाई तथा शिक्षा-स्वास्थ्य जैसी सार्वजनिक सुविधाओं की बदहाली और बढ़ती आर्थिक विषमता पर चिंताएं नई नहीं हैं। अगर समय रहते ठोस सुधारात्मक कदम नहीं उठाये गये तो जॉर्जिया मैलोनी को भी इटली में वैसे ही हालात का सामना करना पड़ सकता है, जैसे मुश्किल हालात से फ्रांस में मैक्रों रूबरू हैं। फ्रांस और इटली के अलावा पुर्तगाल और अल्बानिया में भी जन असंतोष सड़कों पर है। अपनी खूबसूरती के लिए वैश्विक पर्यटकों में लोकप्रिय अल्बानिया में महंगाई से मुश्किल होते जीवन यापन के अलावा बेलगाम भ्रष्टाचार को लेकर भी प्रधानमंत्री ईडी रामा से नाराजगी भी जन असंतोष का बड़ा कारण है।

असंतोष की उग्रता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री कार्यालय पर पेट्रोल बम तक फेंके गये। अल्बानिया में आंदोलनकारी सत्ता परिवर्तन चाहते हैं, पर 2013 से सत्ता पर काबिज ईडी रामा कुर्सी छोड़ने के मूड में नहीं दिखते। पुर्तगाल और स्पेन अपनी समृद्ध संस्कृति और गौरवशाली इतिहास के लिए जाने जाते हैं, लेकिन ये दोनों देश भी बेलगाम महंगाई से आम नागरिक का जीवन यापन दूभर होने से मुखर होते जन असंतोष से जूझ रहे हैं। पुर्तगाल, खासकर राजधानी लिस्बन में तो बेलगाम रियल एस्टेट माफिया की बदौलत आवासीय संपत्तियां इतनी महंगी हो गई हैं कि आम पुर्तगाली न तो खरीद सकता है और न ही किराये पर ले सकता है। इसमें विदेशी निवेशकों की भी बड़ी भूमिका है, जिनके लिए तमाम देशों की सरकारें लाल कालीन बिछाने को लालायित रहती हैं-बिना यह विचार किए कि बेलगाम बाजारवाद का आम नागरिकों के जीवन यापन पर क्या असर पड़ेगा। ब्रिटेन के नागरिक भी अरसे से महंगाई की मार झेल रहे हैं। वहां स्वास्थ्य सुविधाएं ही आम नागरिक की पहुंच से बाहर हो गई हैं। ऐसा नहीं है कि बढ़ती आर्थिक असमानता से उपजता जन असंतोष सिर्फ यूरोप तक सीमित है। महंगाई की तपिश आर्थिक महाशक्ति अमेरिका में भी आम आदमी महसूस कर रहा है और अफ्रीकी देश केन्या में भी। जाहिर है, इधर-उधर की बातें करने के बजाय जन असंतोष के असली कारणों को समझते हुए नीतिगत सुधार का वक्त आ गया है। देश के लिए बाजार होना चाहिए, बाजार के लिए देश नहीं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मंथन
महेन्द्र तिवारी

मतदाता सूची से नाम हटने पर आम आदमी की पीड़ा

लोकतंत्र केवल चुनाव कराने की व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार, सम्मान और अपनी पसंद की सरकार चुनने का अवसर देने वाली शासन प्रणाली है। इसकी वास्तविक शक्ति जनता के विश्वास में निहित होती है। जब कोई नागरिक मतदान केंद्र पर पहुंचकर अपने मताधिकार का प्रयोग करता है, तब वह केवल किसी प्रत्याशी के पक्ष में मत नहीं देता, बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी भागीदारी भी सुनिश्चित करता है। इसलिए मतदाता सूची में प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम होना लोकतंत्र की बुनियादी आवश्यकता है। यदि किसी नागरिक का नाम बिना उचित कारण सूची से हटा दिया जाता है, तो यह केवल एक प्रशासनिक त्रुटि नहीं, बल्कि उसके संवैधानिक अधिकार और लोकतांत्रिक भागीदारी से जुड़ा गंभीर विषय बन जाता है। देश में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर इन दिनों व्यापक चर्चा और विवाद हो रहा है। इस प्रक्रिया के दौरान देशभर में लगभग 13 करोड़ नाम मतदाता सूचियों से संबंधित छंटाई और पुनरीक्षण की कार्रवाई के दायरे में आए हैं। निर्वाचन आयोग ने इन नामों को अनुपस्थित, स्थायी रूप से स्थानांतरित, मृत अथवा दोहरी प्रविष्टि जैसी श्रेणियों में रखा है। इसलिए इस संख्या को सीधे-सीधे इतने पात्र मतदाताओं के गलत ढंग से नाम काटे जाने के बराबर मानना उचित नहीं होगा। फिर भी, इस व्यापक प्रक्रिया के बीच ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें जीवित और पात्र नागरिकों को मृत या स्थानांतरित मान लिया गया। इससे सत्यापन की विश्वसनीयता और नागरिकों के अधिकारों की सुरक्षा को लेकर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। दिल्ली में भी इस पुनरीक्षण का प्रभाव व्यापक दिखाई दिया है। प्रारूप मतदाता सूची से लगभग 47.7 लाख नाम हटाए जाने की सूचना सामने आई थी। इनमें ऐसे लोग भी हो सकते हैं, जिनके सत्यापन प्रपत्र निर्धारित समय में प्राप्त नहीं हुए, जो अपने पुराने पते पर उपलब्ध नहीं थे अथवा जिनकी प्रविष्टियों में किसी प्रकार की विसंगति पाई गई। बाद में निर्वाचन अधिकारियों ने छूटे हुए मतदाताओं के पुनः सत्यापन और पात्र नागरिकों के नाम शामिल कराने के लिए कदम उठाने की बात कही। इस घटनाक्रम का महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि किसी सूची में नाम न मिलने और किसी व्यक्ति के मतदान के लिए अपात्र होने के बीच अंतर किया जाना चाहिए। पहली स्थिति जांच और सुधार की मांग करती है, जबकि दूसरी स्थिति के लिए नियमानुसार पर्याप्त आधार आवश्यक है। मतदाता सूची का नियमित पुनरीक्षण किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए आवश्यक है। यदि मृत व्यक्तियों के नाम सूची में बने रहें, एक ही व्यक्ति का नाम कई स्थानों पर दर्ज हो या अपात्र व्यक्तियों की प्रविष्टियां मौजूद हों, तो चुनावी व्यवस्था की विश्वसनीयता प्रभावित हो सकती है। निर्वाचन आयोग का दायित्व है कि वह मतदाता सूची को सही, अद्यतन और पारदर्शी बनाए। लेकिन इस उद्देश्य की पूर्ति ऐसी प्रक्रिया से होनी चाहिए जिसमें पात्र नागरिकों के अधिकार सुरक्षित रहें। प्रशासनिक सुविधा को नागरिक अधिकारों से ऊपर नहीं रखा जा सकता। किसी घर पर एक या दो बार पहुंचने पर व्यक्ति का न मिलना, किसी पुराने पते पर उसका अनुपस्थित होना अथवा निर्धारित अवधि में प्रपत्र जमा न कर पाना अपने आप में यह सिद्ध नहीं करता कि वह मतदान का पात्र नहीं है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में यह चुनौती और जटिल हो जाती है। रोजगार की तलाश में लाखों लोग एक शहर से दूसरे शहर जाते हैं। इस विवाद का एक महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि मताधिकार केवल राजनीतिक अधिकार नहीं, बल्कि नागरिक की सामाजिक प्रतिष्ठा और लोकतांत्रिक पहचान से भी जुड़ा है। जब कोई व्यक्ति वर्षों से मतदान करता आया हो और अचानक उसे पता चले कि सूची में उसका नाम नहीं है, तो उसके लिए यह अनुभव निराशाजनक और अपमानजनक हो सकता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति जनता का विश्वास है। यह विश्वास तभी कायम रह सकता है जब प्रत्येक नागरिक को यह भरोसा हो कि उसकी पहचान, उसकी पात्रता और उसकी आवाज का सम्मान किया जाएगा। मतदान का अधिकार कानून द्वारा निर्धारित पात्रता से जुड़ा नागरिक अधिकार है। मतदाता सूची का पुनरीक्षण तभी सफल माना जाएगा जब वह चुनावी व्यवस्था को अधिक विश्वसनीय बनाने के साथ किसी पात्र नागरिक को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से बाहर न होने दे। लोकतंत्र में हर मत महत्वपूर्ण है और हर पात्र मतदाता की भागीदारी सुनिश्चित करना ही एक जवाबदेह व्यवस्था की वास्तविक पहचान है।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

कृष्ण योग के सूत्र

संकलित
दर्शन

भगवान श्रीकृष्ण के अनुसार सिर्फ शरीर का नियमन ही योग नहीं है, बल्कि आत्मा के साक्षात्कार के लिए किया गया हरेक प्रयास योग की श्रेणी में आता है। इसी कारण श्रीकृष्ण को योगेश्वर कहा जाता है। वे जनक हैं योग के, धाराएं बहती हैं उनसे योग की, बस जिसको जो आयाम स्पर्श करता है, वह उस आयाम पर अग्रसर हो जाता है। आप जिस योग को योग मानते है, वह पतंजलि योग है। पतंजलि सबसे बड़े वैज्ञानिक है अंतर्जगत के। उनकी पहुंच एक वैज्ञानिक मन की है। उनके पास वैज्ञानिक मस्तिष्क है, लेकिन उनकी यात्रा भीतरी है। किंतु हमारे कृष्ण योगेश्वर हैं। वे दृष्टि देते हैं, स्वतंत्रता देते है, प्रेम और करुणा से आपको भरते है। वे जिससे आपको भरते हैं, वे वह स्वयं ही हैं, इसीलिए कृष्ण का योग धारा बन जाता है, आपसे आपको मिलता है और एक दिन केवल वही ही बचते हैं, आप उनमें मिल जाते हैं। कुछ कृष्ण के योग के पहलू जो केवल हम श्रवण करते हैं, पढ़ते हैं, पर वे सूत्र हैं कृष्ण-योग के 'तस्माद्योगाय युज्यस्व योगः कर्मसु कौशलम' अर्थात इससे समत्वबुद्धि योग के लिए ही चेष्टा करो, यह समत्वबुद्धि-रूप योग ही कर्मों में चतुरता है। अर्थात कर्मों में कुशलता को ही योग कहते है। कृष्ण तीन शब्दों का प्रयोग करते हैं-अकर्म, कर्म और विकर्म। कर्म वे उसे कहते हैं, सिर्फ करने को ही कर्म नहीं कहते। अगर करने को ही कर्म कहें, तब तो अकर्म में कोई जा ही नहीं सकता। फिर तो अकर्म हो ही नहीं सकता।

कभी भी अपने पद और धन का घमंड न करें

संकलित
प्रेरणा

देवताओं के कोषाध्यक्ष को एक दिन अपने पद और धन का घमंड हो गया है। इसी घमंड में वे शिव जी के पास पहुंच गए और शिव जी को सपरिवार अपने महल में खाने के लिए निमंत्रण दिया। शिवजी ने कहा कि मैं तो कहीं आता-जाता नहीं हूं, आप एक काम करें, गणेश को अपने साथ ले जाएं। खाने का निमंत्रण पाकर गणेश जी कुबेर के महल पहुंच गए। कुबेर ने उनके लिए बहुत सारा खाना बनवाया। गणेश जी खाने बैठे तो वे खाए जा रहे थे, थोड़ी ही देर में कुबेर की रसोई का पूरा खाना खत्म हो गया। गणेश जी ने और खाना मांगा। कुबेर ये देखकर घबरा गए। गणेश जी बार-बार खाना मांग रहे थे। कुबेर ने गणेश जी के सामने हाथ जोड़ लिए और कहा कि अब तो मेरे घर का सारा खाना खत्म हो गया है। गणेश जी ने कहा कि लेकिन मेरी भूख तो अभी शांत ही नहीं हुई है। मुझे अपने रसोईघर में ले चलो। कुबेर गणेश जी को रसोईघर में ले गए तो वहां रखी सभी चीजें गणेश खा गए। उन्होंने शिव जी को पूरी बात बता दी। शिव जी ने गणेश जी से कहा कि जाओ, माता पार्वती को बुलाकर लाओ। मां पार्वती को देखकर गणेश ने कहा कि मां, कुबेर देव के खाने से मेरी भूख शांत नहीं हुई है। पार्वती अपने रसोईघर में गईं और खाना बनाकर ले आईं। उन्होंने जैसे ही गणेश जी को अपने हाथ से खाना खिलाया तो गणेश तृप्त हो गए। मां और खिलाने लगी तो गणेश जी ने कहा, मां मेरा पेट भर गया है। ये सब देखकर कुबेर देव का घमंड टूट गया और उन्हें अपनी गलती समझ आ गई। कुबेर ने सभी से क्षमा मांगी।

अंतर्मन

आज की पाती

पुलिस को सेना जैसा सम्मान क्यों नहीं

21 अक्टूबर को पुलिस स्मृति दिवस मनाया जाता है। यह दिवस उन पुलिसकर्मियों के बलिदान के लिए मनाया जाता है जिन्होंने 21 अक्टूबर 1959 को लद्दाख में चीन के कायरतापूर्ण हमले में अपनी जान की बाजी लगा दी थी। और यह देश के उन पुलिस कर्मियों के लिए भी मनाया जाता है जिन्होंने आम लोगों की सुरक्षा के लिए अपनी जान न्योछावर कर दी थी। देश में आपराधिक घटनाओं को रोकने के लिए पुलिस की मुख्य भूमिका होती है। जब हम सभी दीपावली या अन्य त्योहार मना रहे होते हैं, तब पुलिस हमारी सुरक्षा की खातिर अपना फर्ज निभा रही होती है। कभी कभी धरने प्रदर्शनों के दौरान पुलिस को हिंसक झड़पों का भी सामना करना पड़ता है। बहरहाल पुलिस को सेना जैसा सम्मान देने की जरूरत है। - दीपक अग्रवाल, दुर्ग

ट्रेंड

ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई

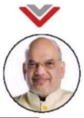

हमारी पुलिस फोर्स 31 दिसंबर 2029 तक नशीले पदार्थों के गिरोहों को खत्म करने के लिए ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है, और साथ ही युवाओं को इस बुराई के प्रति जागरूक भी कर रही है।
- अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

देश का मान

एशियाई पैरा गेम्स-2026 मे महिलाओं की 100 मीटर (टी12) स्पर्धा मे स्वर्ण पदक जीतकर, उत्तर प्रदेश की बेटी सिमरन शर्मा ने देश का मान बढ़ाया है। उनकी यह ऐतिहासिक उपलब्धि देश भर के अनगिनत युवाओं के लिए प्रेरणा है।
- योगी आदित्यनाथ, सीएम, उत्तरप्रदेश

एशियन पैरा गेम्स

एशियन पैरा गेम्स 2026 मे पुरुषों की 100 मीटर टी47 स्पर्धा मे दिलीप गावित ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि मोहम्मद मोर्सिगनाकाथ ने रजत पदक हासिल किया। सालों की कड़ी मेहनत, अनगिनत बलिदानों और अटूट जज्बे ने भारत को गौरवान्वित किया है। हमारे दोनो चैंपियनो को बधाई!
- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

पुलिस स्मृति दिवस

पुलिस स्मृति दिवस पर, हम अपने पुलिस बलों के उन बहादुर पुरुषों और महिलाओं को नमन करते हैं, जिन्होंने कर्तव्य पालन के दौरान अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। राष्ट्र के लिए दी गई उनकी सेवाओं के लिए सदैव उनके ऋणी रहेंगे।
-मल्लिकार्जुन खडगे, अध्यक्ष, कांग्रेस

करंट अफेयर

हैरी ने पिता व भाई से रिश्ते सुधारने की इच्छा जताई

ब्रिटेन के युवराज हैरी अपने पिता महाराजा चार्ल्स तृतीय और भाई प्रिंस विलियम के साथ मतभेद दूर कर रिश्ते सुधारना चाहते हैं। परिवार और अपनों को खोने के दुख पर 'जीक्यू' पत्रिका के साथ एक साक्षात्कार में हैरी से पूछा गया कि क्या उन्हें अपने पिता और भाई के साथ जटिल रिश्तों को लेकर दुख होता है? सितंबर के अंत में न्यूयॉर्क में रिकॉर्ड किया गया यह साक्षात्कार मंगलवार को प्रकाशित हुआ। हैरी ने जवाब दिया, हां, बिल्कुल। उन्होंने कहा कि लोग अक्सर उनसे इस बारे में पूछते हैं। उन्होंने कहा, कुछ लोग नहीं चाहते कि रिश्ते सुधरें, लेकिन मैं चाहता हूं कि ऐसा हो। बेशक, मैं ऐसा चाहता हूं। दुनिया में जो कुछ भी हो रहा है, उसे देखते हुए सबसे महत्वपूर्ण बात सुलह करना है। यही मुख्य बात है। हैरी, उनकी पत्नी मेघन और उनके दोनों बच्चे अगस्त के अंत में ब्रिटेन लौट आए थे। शाही परिवार के सक्रिय सदस्यों के रूप में अपनी भूमिकाएं छोड़कर कैलिफोर्निया जाने के उनके फैसले से शाही परिवार में दूरियां बढ़ गई थीं। इस फैसले को छह साल हो चुके हैं। इस दंपति ने पहले के साक्षात्कारों में शाही परिवार की आलोचना की थी। उन्होंने परिवार के एक अज्ञात सदस्य पर नस्लवाद का आरोप लगाया था और कहा था कि महल के कर्मचारियों ने मेघन के मानसिक स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता नहीं दिखाई।

ऑफ बीट

एआई शॉपिंग एजेंट बेहतर सौदे का वादा करते हैं, गलती का नहीं

मेटा का हाल ही में पेश किया गया एआई एजेंट 'म्यूज' कई तरह के काम करने में सक्षम होने का भरोसा देता है। यह ईमेल भेजने, छुट्टियां मनाने के लिए जरूरी बुकिंग कर सकता है, मुश्किल ऑनलाइन फॉर्म भर सकता है। लेकिन एक निजी खरीदारी सहायक के रूप में इसकी संभावनाओं को लेकर खासा ध्यान आकर्षित हो रहा है। यह सस्ते सौदों की तलाश करने और उपयोगकर्ता की मंजूरी के बिना खरीदारी करने में सक्षम है। उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति दौड़ने के लिए नए जूते खरीदना चाहता है। कुछ ही मिनट में एआई सहायक दर्जनों दुकानों की वेबसाइटों पर खोज कर सकता है और अलग-अलग ब्रांड की तुलना करके सबसे सस्ते और जरूरत के मुताबिक जूते ढूंढ सकता है। म्यूज अकेला ऐसा एआई एजेंट नहीं है। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों के बीच इन एजेंट को रोजमर्रा की खरीदारी का हिस्सा बनाने की होड़ लगी है। गूगल और ओपनएआई भी एआई आधारित शॉपिंग टूल विकसित कर रहे हैं। उपभोक्ताओं के लिए इन नए एआई एजेंट का फायदा साफ है। खरीदारी में कम समय लगेगा और बेहतर सौदे मिलने की संभावना होगी। वहीं, खुदरा कारोबारियों के लिए ये ऑनलाइन उत्पादों के प्रचार करने के तरीके को बदल सकते हैं।

छत्तीसगढ़ राजपत्र दिनांक 13 अक्टूबर 2026
प्रारूप (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं हदय तिर्की पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी शोभन तिर्की गाँव/शहर - बिरिमडेगा, काडरो, बागबहार, तहसील-पत्थगाँव, जिला-जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम हदय तिर्की (पुराना नाम) से बदल कर हृदय तिर्की (नया नाम) रख लिया है।

नाबालिग पुत्री/पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक / पालक द्वारा प्रमाणित) मैं शोभन तिर्की (माता/पिता/पत्रि/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री चंदन तिर्की, गाँव/शहर - बिरिमडेगा, काडरो, बागबहार, तहसील-पत्थगाँव, जिला जशपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र /सुपुत्री का नाम हदय तिर्की (पुराना नाम) से बदल कर हृदय तिर्की (नया नाम) रख लिया है।

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026
प्ररूप-(एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं आशिका (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्री मनीष कुमार गर्ग गाँव / शहर पत्थलगांव तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम आशिका (पुराना नाम) से बदलकर अंशिका अग्रवाल (नया नाम) रख लिया है

हस्ताक्षर (पुराने नाम से) नाबालिग पुत्री/पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक/ पालक द्वारा प्रमाणित)

मैं मनीष कुमार गर्ग (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री अंशिका अग्रवाल गांव/शहर पत्थलगांव तहसील पत्थलगांव जिला जशपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम आशिका (पुराना नाम) से बदल कर अंशिका अग्रवाल नया नाम रख लिया है

माता/पिता पालक के हस्ताक्षर

भाजपा प्रवक्ता पात्रा ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया, उठाए सवाल

भारत के दुश्मन वही लोग जो विदेशों से सीखे तख्तापलट, हिंसा और संसद में आग लगाना

एजेंसी ⏭ भुवनेश्वर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दशहरा कार्यक्रम के दौरान 3 ताकतों को देश के खिलाफ बताया था। उन्होंने विपक्ष पर भी जोरदार हमला बोला था। अब पीएम मोदी के बयान के बाद भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने विपक्ष को आड़े हाथों लिया। उन्होंने सवाल उठाया कि भारत का दुश्मन कौन है? पात्रा ने कहा कि भारत का दुश्मन वह व्यक्ति है, जो विदेश जाकर विदेशी ताकतों से यह सीखकर आता है कि भारत में तख्तापलट कैसे किया जाए, आगजनी कैसे की जाए, हिंसा कैसे भड़काई जाए, संसद में आग कैसे लगाई जाए और यहां चुनाव ठीक तरीके से कैसे न होने दिए जाएं? भारत का दुश्मन वह है, जो कहता है कि बांग्लादेश ने हमें रास्ता दिखाया है। भुवनेश्वर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पात्रा ने कहा कि बांग्लादेश हमारा प्रेरणा स्रोत है, क्योंकि वहां के लोगों ने दिखाया कि धार्मिक कट्टरपंथ के खिलाफ कैसे लड़ते हैं? भारत धार्मिक कट्टरपंथी देश नहीं है। जो लोग कहते हैं कि भारत में धार्मिक कट्टरपंथ के खिलाफ लड़ने के लिए हमें सत्ता परिवर्तन करना है, वे भारत के दुश्मन हैं।

हम भारत के दुश्मनों का दहन लोकतांत्रिक तरीके से करेंगे

भुवनेश्वर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रवक्ता पात्रा ने यह बात संवाददाताओं से कही

हमें सत्ता परिवर्तन करना है चाहे जो भी करना पड़े, इनसे सावधान रहें

उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों के साथ भारत के दुश्मनों जैसा व्यवहार किया जाना चाहिए। भारत के दुश्मन प्रशांत भूषण जैसे लोग हैं, जो कहते हैं कि हमें सत्ता परिवर्तन करना है, चाहे इसके लिए हमें कुछ भी क्यों न करना पड़े। सावधान इन सभी भारत के दुश्मनों से! हम भारत के दुश्मनों का दहन लोकतांत्रिक तरीके से करेंगे। यह काम वोट और जनता की जागरूकता के माध्यम से होगा। जनता के बीच सच्चाई रखकर हम उन पुतलों का दहन करेंगे।

नाइक का उदाहरण दिया

पात्रा ने कहा कि एक दुश्मन जाकिर नाइक है, जिसे उन्होंने आतंकवादी बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि सोनिया गांधी ने राजीव गांधी फाउंडेशन के लिए उससे पैसे लिए थे। उसका एक स्टिंग ऑपरेशन हुआ है। इसमें कथित तौर पर उसने कहा कि उसे भारत आने में डर लगता है और वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से डरता है। उसने यह भी कहा कि सत्ता परिवर्तन होने के बाद वह भारत लौट आएगा।

राहुल... सैटेलाइट लांचिंग में भी पीछे ईंधन होना चाहिए

पात्रा ने आरोप लगाया कि दाऊद इब्राहिम और जाकिर नाइक सत्ता परिवर्तन चाहते हैं, ताकि वे भारत लौट सकें। देश के कई दुश्मन सत्ता परिवर्तन चाहते हैं। पात्रा ने कहा कि सत्ता परिवर्तन की मांग करने वाले उनके सरगना चाहते हैं कि राहुल गांधी बिना चुनाव लड़े ही लॉन्च हो जाएं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि अरे, सैटेलाइट भी लॉन्च होती है, तो उसके पीछे ईंधन लगाना पड़ता है। ऐसे ही कोई लॉन्च नहीं हो जाता।

भाजपा प्रवक्ता सुधांशु ने विपक्ष की कुछ ताकतों पर किया हमला

उसका असली मकसद हिंसा और साजिश के जरिए सत्ता परिवर्तन करना

भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने विपक्ष की कुछ ताकतों पर आरोप लगाया कि वे जायज सार्वजनिक मांगों की आड़ में भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रही हैं। उसका असली मकसद हिंसा और साजिश के जरिए सत्ता परिवर्तन करना है। कुछ ताकतें 3 एजेंडों पर काम कर रही हैं।

अस्थिर करने के 3 एजेंडे

- ये समाज को बांटना चाहती हैं, देश की संस्कृति, इन्हें हिंदू के प्रति नफरत है।
- ये 'सनातन धर्म के खत्म करने' की बात करने वाले सम्मेलन करते हैं।
- भारत की संस्थाओं के बारे में भ्रामक बातें फैलाती हैं। ये भारत को आगे बढ़ते हुए नहीं देखना चाहतीं।

मांगें रावण के 10 सिर जैसी

बार-बार उठने वाली मांगों की तुलना रावण के 10 सिरों से करते हुए उन्होंने कहा कि असल में, रावण की तरह अलग एक सिर काट दिए जाए, तो तुरंत दूसरा सिर निकल आता है। इनकी मांगे भी कुछ ऐसी हैं, एक मांग पूरी करो, तो उसकी जगह तुरंत दूसरी मांग आ जाती है।

रामलाल का राहुल पर हमला

जन समर्थन झूठ की बुनियाद पर नहीं बढ़ता

श्रीनगर। संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी रामलाल ने संघ के खिलाफ राहुल गांधी के 'विशुद्ध पुरुषवादी और संविधान विरोधी' होने संबंधी टिप्पणी की आलोचना करते हुए इसे 'नवीनतम मनगढ़ंत झूठ' करार दिया। उन्होंने कहा कि आरएसएस महिलाओं का बेहद सम्मान करता है। झूठ की बुनियाद पर राजनीति आगे नहीं बढ़ती।

रांका और दास को मिली राहत

विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट कोर्ट से मिल गई दोनों को जमानत

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

एसईएम कोर्ट ने सीजेपी नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका की न्यायिक हिरासत पर अपना आदेश सुरक्षित रखा। जिसके बाद कोर्ट ने दोनों नेताओं को जमानत दे दी है। दिल्ली पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं सौरव दास और आशुतोष रंका की न्यायिक हिरासत 3दिन बढ़ाने की मांग की थी। दोनों को बुधवार को विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट (एसईएम) के समक्ष पेश किया गया था। दो दिन पहले सीजेपी के सह-संयोजक सौरव दास और आशुतोष रांका की न्यायिक हिरासत दो दिन और बढ़ा दी गई थी।

जंतर-मंतर पर अवैध प्रवेश पर पुलिस ने गिरफ्तार किया

दोनों नेता जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करने के मामले में हिरासत में हैं। आरोप है कि प्रतिबंध लागू होने के बावजूद वे बंद गेट पार कर जंतर-मंतर परिसर में दाखिल हुए थे। वहां सीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ उन्होंने तिरंगा लहराया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद पुलिस ने दोनों को हिरासत में ले लिया था। 13 अक्तूबर को उन्हें पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया था।

दिल्ली हाई कोर्ट ने लगाई फटकार, अर्जी वापस

सीजेपी के सदस्य सौरव दास और आशुतोष रांका को बुधवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई। जिसके बाद दोनों ने दायर अपनी याचिका वापस ले ली। सीजेपी के सदस्यों ने अपनी याचिका में हिरासत बढ़ाने के फैसले को चुनौती दी थी और तत्काल रिहाई की मांग की थी।हाई कोर्ट ने सवाल किया जब उसी दिन विशेष कार्यकारी मजिस्ट्रेट के सामने सुनवाई होनी थी तो उन्होंने उच्च न्यायालय का रुख क्यों किया। अदालत ने उन्हें पहले सेम की सुनवाई के नतीजे का इंतजार करने और उसके बाद उपलब्ध कानूनी विकल्पों पर विचार करने की सलाह दी।सौरव और आशुतोष ने सेम के 19 अक्टूबर के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उनकी हिरासत 21 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई थी। यह कार्रवाई भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 126 और 170 के तहत की गई थी।

राहुल की विदेश यात्रा पर सवाल

थरूर बोले- किसी के बारे में क्या कहूं? मैं ट्रैवल एजेंट नहीं

एजेंसी ⏭ तिरुवनंतपुरम

सीईसी ज्ञानेश कुमार और एसआईआर के खिलाफ नयी दिल्ली में विपक्षी दलों के प्रदर्शन के बीच लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की विदेश यात्रा के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बुधवार को कहा कि वह कोई 'ट्रैवल एजेंट नहीं हैं'। थरूर की यह टिप्पणी भाजपा द्वारा राहुल की विदेश यात्रा की आलोचना किए जाने के बाद आई है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान 'झूठ बोलकर' थक जाने के बाद राहुल छुट्टियां मनाने के लिए विदेश चले गए हैं। थरूर तिरुवनंतपुरम में थे, जहां संवाददाताओं ने उनसे पूछा कि राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शन जारी रहने के बीच राहुल विदेश क्यों गए हैं? मुझसे यह सवाल पूछने का कोई मतलब नहीं है। सभी की अलग बातें हैं।

दिल्ली में प्रदूषण का स्तर फिर बढ़ा

ग्रैप-1 के प्रतिबंध हुए लागू व निर्माणों पर भी लगी रोक

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली में प्रदूषण के स्तर को देखते हुए ग्रैप 1 की पाबंदियां लागू कर दी गई हैं। ये प्रतिबंध तब लागू किए जाते हैं जब एक्यूआई 201 से 300 के बीच रहता है। इसके तहत होटल और रेस्टोरेंट में कोयले के इस्तेमाल को बंद कर दिया जाता है। डीजल जेनेरेटर के इस्तेमाल की इजाजत सिर्फ आपात स्थिति में होती है। इस दौरान प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए कई कदम उठाए जाते हैं। सड़कों की सफाई नियमित रूप से शुरू की जाती हैं। धूल पर लगाम लगाने के लिए पानी का छिड़काव किया जाता है। साथ ही जहां कंस्ट्रक्शन चल रहे होते हैं वहां निगरानी कड़ी की जाती है। कचरे का प्रबंधन भी बेहतर तरीके से किया जाता है। बुधवार को न्यूनतम तापमान 18 डिग्री दर्ज किया गया। यहां पर सुबह 9 बजे एक्यूआई 233 दर्ज किया गया।

गुवाहाटी में शिल्प समागम मेला 2026 की शुरुआत

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय

कारीगरों का दिखेगा हुनर, यहां पर विविध पारंपरिक उत्पाद देख और खरीद सकेंगे

एजेंसी ⏭ गुवाहाटी

असम की राजधानी गुवाहाटी में बुधवार से 8 दिनों तक चलने वाला शिल्प समागम मेला 2026 आरंभ हुआ। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा आयोजित मेला 28 अक्टूबर तक चलेगा। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि खानापारा स्थित फार्म गेट पर यह मेला आम लोगों के लिए प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक खुला रहेगा। आगंतुक यहां विविध पारंपरिक उत्पाद देख और खरीद सकेंगे तथा हुनरमंद कारीगरों के कार्यों को समर्थन दे सकेंगे। इस खास मेले में देशभर के कारीगर भाग ले रहे हैं। इसका उद्देश्य भारत की समृद्ध और विविध पारंपरिक हस्तशिल्प एवं हथकरघा विरासत को प्रदर्शित करना है।

उद्यमिता को मिलेगा बाजार और बढ़ावा

मेले में कुल 75 कारीगर भाग ले रहे हैं, जिनमें 31 महिला कारीगर शामिल हैं। ये कारीगर हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों की लगभग 40 किस्में प्रदर्शित कर रहे हैं। यह कारीगरों को अपने उत्पाद प्रदर्शित करने और सीधे ग्राहकों को बेचने, संभावित खरीदारों से संपर्क स्थापित करने तथा अपने बाजार का विस्तार करने के अवसर प्रदान कर रहा है।

बंथरा से 17 वर्षीय किशोरी लापता, युवक पर बहला-फुसलाकर भगाने का आरोप

सरोजनीनगर, लखनऊ। बंथरा थाना क्षेत्र से सोमवार शाम एक नाबालिग किशोरी संदिग्ध हालत में लापता हो गई। काफी खोजबीन के बाद किशोरी के पिता ने एक युवक के खिलाफ बहला फुसला कर भगा ले जाने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बंथरा थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाले व्यक्ति के मुताबिक वह सोमवार शाम करीब 7:30 बजे घर पहुंचा तो उसकी 17 वर्षीय बेटी घर पर नहीं मिली।

आरा मशीनों पर एसडीएम का छापा, दो वन दरोगाओं को नोटिस

लखनऊ। मलिहाबाद फलपट्टी क्षेत्र में अवैध लकड़ी कटान और लकड़ी के भंडारण की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन ने सख्ती शुरू कर दी है। बुधवार को उपजिलाधिकारी अपराजिता आर्यन (आईएएस) ने सदरपुर में संचालित आरा मशीनों का औचक निरीक्षण किया। एसडीएम के अचानक पहुंचने से आरा मशीन संचालकों में हड़कंप मच गया। इस दौरान कई संचालक मौके पर मौजूद नहीं मिले। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी ने आरा मशीनों के संचालन से संबंधित वैध अभिलेख और लकड़ी के परिवहन के लिए जरूरी ट्रांजिट परमिट (टीपी) मांगे। लेकिन संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इस पर एसडीएम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए वन विभाग के वन दरोगा शिव सहाय और बिजेंद्र सिंह को नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण तलब किया है। साथ ही दोनों से विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी गई है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०/ब-121/2020-2
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक देवदास बछाड़ आ० सचिन बछाड़, निवासी ग्राम सकालो, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम सकालो स्थित भूमि खसरा नंबर 233/2 रकबा 0.320 हे० में से 50 डिसमिल भूमि अपने पुत्र के ईलाज में लिए गये कर्ज को चुकाने हेतु रूपयों की आवश्यकता होने के कारण अनावेदिका अनिमा बछाड़ पति स्व० दिलीप बछाड़, निवासी ग्राम सकालो, तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) को रू० 20,00,000/- (बीस लाख रुपए) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 06/11/2026 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 13/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार,
अम्बिकापुर-02

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी उप तहसील बरियों जिला बलरामपुर रा०गंज छ०ग०
रा०मा०क्र०- /ब-121/2024-25
ग्राम- बदौली प०ह०नं०-22 उप तहसील बरियों
ईश्तहार

एतद द्वारा आम जनता ग्राम बदौली प.ह.नं. 22 उप तहसील बरियों जिला बलरामपुर रा. गंज को सूचित किया जाता है की इस न्यायालय के रा. प्र.क्र. /ब-121 /2025-26 आवेदक/आवेदिका जैकी मिंज आ. तिलोचन मिंज उम्र जाति उरांव निवासी ग्राम बदौली उप तहसील बरियों जिला बलरामपुर रामनुजगंज छ.ग. के द्वारा स्वयं के पुत्री कु. जूली जन्म दिनांक 06/06/2008 को ग्राम बदौली घर में हुई है किन्तु जन्म मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र, शपथ पत्र एवं अनुपलब्धता प्रमाण पत्र सहित प्रस्तुत किया है जो न्यायालय में विचारधीन है

उपरोक्त जन्म/मृत्यु प्रमाण पत्र में उज्जर आपत्ति या दावा हो या हितबद्ध पक्षकार हो तो वह स्वयं अथवा वैध अभिकर्ता अथवा अभिभाषक के दिनांक 22/09/2026 को न्यायालयीन समय में दावा या आपत्ति हो तो पेश कर सकता है नियत तिथि पश्चात प्राप्त दावा या आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगो

अतः आज दिनांक 08/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुहर से जारी किया गयो

कार्यपालिक दण्डाधिकारी
उप तहसील बरियों जिला बलरामपुर रा०गंज

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका कुलदीप सिंह भामरा आ०/पति स्व० करतार सिंह भामरा जाति, निवासी महामाया वार्ड, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-मायापुर, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1623, 1626 रकबा 0.003, 0.02 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 05.11.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 16.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती प्रतिभा सिंह आ०/पति स्व. प्रमेन्द्र कुमार सिंह जाति निवासी स्कूल रोड़, अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-देवीगंज रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 835/4 रकबा 0.01 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 30.10.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

आज दिनांकः- 15.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका अभिषेक सिंह आ०/पति स्व. प्रमेन्द्र कुमार सिंह जाति, निवासी स्कूल रोड़, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला स्कूल रोड़, शीट नम्बर-3 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1444/9, 1444/14 रकबा 500, 1250 वर्गफीट भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 30.10.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 15.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका श्रीमती अंगुरी देवी आ०/पति रामनिवास अग्रवाल जाति, निवासी मायापुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-बरेजपारा, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2602/46 रकबा 0.02 3/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 30.10.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 15.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती अंगुरी देवी आ०/पति रामनिवास अग्रवाल जाति, निवासी मायापुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-न्यू महामाया रोड़, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2559/17 रकबा 0.07 1/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक- 30.10.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 15.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा
रा०प्र०क्र०-/20(1)/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका श्रीमती सुमित्रा देवी आ०/पति घनश्याम दास अग्रवाल जाति निवासी मायापुर, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला-न्यू महामाया रोड़, शीट नम्बर-8 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 2553/2 रकबा 0.06 एकड़ भूमि का' लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक / आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक - 30.10.2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांकः- 15.10.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

मैं भी मांझी की बेटी हूं, आदिवासी समाज की संस्कृति से मेरा गहरा जुड़ाव : राष्ट्रपति मुर्मू

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के अंतर्गत आयोजित मुरिया दरबार में आदिवासी समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, परंपरागत सामाजिक व्यवस्था और सामूहिक निर्णय प्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि आदिवासी समाज की परंपरागत व्यवस्था सामाजिक एकता, न्याय, आपसी सहयोग और सुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण है।उन्होंने कहा कि समय के साथ शासन व्यवस्था, नीतियां और कानून बदलते रहते हैं, लेकिन आदिवासी समाज ने अपनी परंपराओं, सामाजिक नियमों और अलिखित संविधान को पीढ़ियों से जीवित रखा है।यह व्यवस्था समाज में सुख-शांति, प्रेम, सद्भाव और सामूहिकता बनाए रखने का महत्वपूर्ण आधार है। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने मुरिया दरबार में उपस्थित आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों और पारंपरिक प्रमुखों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी ने मुझे एक बार फिर अपनी संस्कृति और परंपराओं से रूबरू होने का अवसर दिया है।इसके लिए मैं आप सभी की आभारी हूं।उन्होंने कहा कि मैं भी इसी आदिवासी संस्कृति और परंपरा से आती हूं। मेरे दादाजी मांझी थे, मेरे पिताजी भी मांझी थे और मेरे भाई भी मांझी हुआ करते थे। मैं एक मांझी की बेटी हूं, गांव के मुखिया की बेटी हूं। उन्होंने कहा कि उनके परिवार के सदस्य आज भले ही उनके बीच नहीं हैं, लेकिन अपनी संस्कृति, सामाजिक व्यवस्था और परंपराओं के प्रति उनका जुड़ाव आज भी उतना ही गहरा है। राष्ट्रपति

मुर्मु ने आदिवासी समाज की पारंपरिक न्याय व्यवस्था का उल्लेख करते हुए कहा कि गांवों में मांझी और अन्य पारंपरिक प्रमुखों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। परिवारों के बीच विवाद, जमीन-जायदाद से संबंधित समस्याएं अथवा आपसी मतभेद होने पर लोग मांझी के पास जाते हैं। मांझी गांव के लोगों को एकत्रित कर सभी पक्षों की बात सुनते हैं और आपसी सहमति से समस्याओं का समाधान करने का प्रयास करते हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज में गांव के प्रमुख व्यक्तियों और बुजुर्गों की सहभागिता से सामूहिक निर्णय लेने की समृद्ध परंपरा रही है।इस व्यवस्था में पीड़ परगना और देश परगना जैसी पारंपरिक संस्थाओं का भी विशेष महत्व रहा है। गांव स्तर पर समाधान नहीं होने पर समस्याओं को पीड़ परगना और आवश्यकता पड़ने पर देश परगना के समक्ष रखा जाता था

आदिवासी समाज की एकता, सामूहिक जिम्मेदारी और आपसी विश्वास को दशार्ती है

राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि पहले लगभग 50 से 52 गांवों को मिलाकर एक पीड़ की व्यवस्था हुआ करती थी। बड़ी समस्याओं के समाधान के लिए समाज के लोग कई दिनों तक सामूहिक बैठकें करते थे। कभी-कभी सात से आठ दिनों तक लगातार विचार-विमर्श चलता था और समाधान निकलने तक प्रयास जारी रहते थे। यह परंपरा आदिवासी समाज की एकता, सामूहिक जिम्मेदारी और आपसी विश्वास को दशार्ती है। राष्ट्रपति ने कहा कि वर्तमान लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में कार्यपालिका, न्यायपालिका और विधायिका के अलग-अलग दायित्व हैं, जबकि आदिवासी समाज की पारंपरिक व्यवस्था में मांझी सामाजिक नेतृत्व, विवाद समाधान और सामुदायिक निर्णयों से जुड़ी अनेक जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की संस्कृति में आध्यात्मिकता, सामूहिकता और प्रकृति के प्रति आस्था का विशेष स्थान है।गांवों में ग्राम देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना की प्राचीन परंपरा रही है।समाज के लोग एकजुट होकर गांव की सुख-समृद्धि, खुशहाली, स्वास्थ्य और कल्याण की कामना करते हैं। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के पर्व-त्यौहार केवल धार्मिक आयोजन नहीं हैं, बल्कि सामाजिक एकता, आपसी सहयोग और सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने के महत्वपूर्ण माध्यम भी हैं।समाज के लोग सामूहिक रूप से नाचते-गाते हैं, उत्सव मनाते हैं और खुशियां बांटते हैं। यही सामूहिकता आदिवासी संस्कृति की सबसे बड़ी शक्ति है।

26वीं राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । सरगुजा संभाग के मुख्यालय अम्बिकापुर में 4 दिवसीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का रंगारंग आगाज हुआ। राज्य स्तरीय स्पर्धा का आयोजन सरगुजा अंचल वासियों के लिए गौरव का क्षण है। शासकीय बहुउद्देशीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय (मल्टीपरपज स्कूल) ग्राउंड, अंबिकापुर में 26वीं चार दिवसीय राज्यस्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2026 का शुभारंभ सांसद सरगुजा चिंतामणि महाराज के मुख्य आतिथ्य में हुआ। खेल का शुभारंभ सांसद द्वारा बास्केट में बाल डालकर किया गया। इस प्रतियोगिता में बस्तर, बिलासपुर, दुर्ग, रायपुर और सरगुजा संभाग के खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। शुभारंभ समारोह में विद्यार्थियों ने बिहू नृत्य, पारंपरिक गीत-संगीत और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को आकर्षक बनाया। इस अवसर पर सांसद चिंतामणि ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। खेलों से बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को बढ़ावा मिलता है तथा उनमें अनुशासन, आत्मविश्वास, टीम भावना और प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित होती है। उन्होंने खिलाड़ियों से पूरे उत्साह और खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने, निरंतर अभ्यास करने तथा खेल के क्षेत्र में आगे बढ़कर उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं में अपनी पहचान बनाने का आह्वान किया। खेलों के जरिए राष्ट्रीय एकता की भावना भी मजबूत होती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के

आयोजन से विद्यार्थियों को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने तथा उच्च स्तरीय प्रतियोगिताओं के लिए तैयार होने का अवसर मिलता है। सांसद ने खिलाड़ियों से खेल भावना के साथ खेलने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि राज्य के सभी संभाग के खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। इन प्रतियोगिताओं में भागीदारी कर रहे सभी 215 छात्र एवं 245 छात्राओ को शुभकामनाएं देते हुए खेल भावना, अनुशासन और उत्कृष्ट प्रदर्शन के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने सभी को अपना बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया । उन्होंने कहा कि हार जीत तो जीवन का अभिन्न हिस्सा है । बेहतर खिलाड़ी वही है जो अच्छे खेल भावना के साथ अपना बेहतर प्रदर्शन करता है।

चार खेलों की विभिन्न वर्गों में होंगी प्रतियोगिताएं

चार दिवसीय इस राज्यस्तरीय प्रतियोगिता में फुटबॉल, बास्केटबॉल, बैडमिंटन और सॉफ्टबॉल टेनिस की प्रतियोगिताएं विभिन्न आयु वर्गों में आयोजित की जा रही हैं। प्रतियोगिता के अंतर्गत 19 वर्ष आयु वर्ग के बालकों की फुटबॉल प्रतियोगिता, 14 एवं 17 वर्ष आयु वर्ग की बालिकाओं की बास्केटबॉल प्रतियोगिता तथा 17 से 19 वर्ष आयु वर्ग के बालक-बालिकाओं की बैडमिंटन और सॉफ्टबॉल टेनिस प्रतियोगिताएं शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि इस खेल कार्यक्रम में 215 छात्र और 245 छात्राएँ शामिल हो रही हैं इस आयोजन में विभिन्न संभागों से आए खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के माध्यम से अपनी खेल क्षमता निखारने, प्रतिस्पर्धात्मक अनुभव प्राप्त करने और भविष्य की बड़ी खेल स्पधाओं के लिए स्वयं को तैयार करने का अवसर मिल रहा है।

जनप्रतिनिधियों ने किया खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, महापौर श्रीमती मंजूषा भगत और नगर निगम सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने खिलाड़ियों को संबोधित कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने खिलाड़ियों से अनुशासन, लगन और मेहनत के साथ बेहतर प्रदर्शन करने तथा राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए निरंतर अभ्यास करने का आह्वान किया। महापौर श्रीमती मंजूषा भगत ने विद्यार्थियों को स्वच्छ भारत अभियान के उद्देश्यों से जोड़ते हुए अपने शहर और गांवो को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि स्वच्छता की शुरूआत अपने घर और आसपास के क्षेत्रों से होती है। विद्यार्थियों को अपने परिवेश को स्वच्छ रखने के साथ दूसरों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करना चाहिए। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं। कलेक्टर अजीत वसंत ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए बेहतर वातावरण और अवसर उपलब्ध कराना आवश्यक है। उन्होंने खिलाड़ियों से अपनी प्रतिभा निखारने, खेल संस्कृति को समृद्ध बनाने और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए निरंतर प्रयास करने की अपील की। उन्होंने सरगुजा पहुंचे सभी संभागों के खिलाड़ियों का स्वागत करते हुए उनके बेहतर प्रदर्शन की कामना की और उन्हें सभी सुविधाएं प्रदान करने की बात कही।

संघ केवल हिंदुओं के लिए नहीं, पूरे राष्ट्र के लिए है, - भागवत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर - राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा कि संघ केवल हिंदुओं के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के भले के लिए कार्य करता है।उन्होंने स्वयंसेवकों का आह्वान किया कि वे किसी के प्रति घृणा फैलाए बिना शुद्ध सात्विक प्रेम और सद्भाव के आधार पर पूरे समाज को एकजुट करें। बिलासपुर के कोनी स्थित सरस्वती ग्राम शिक्षा परिषद संस्थान में आयोजित बौद्धिक वर्ग को संबोधित करते हुए मोहन भागवत ने संघ की तुलना समुद्र से करते हुए कहा कि जैसे पानी की एक-एक बूंद से समुद्र की पहचान बनती है, वैसे ही हर एक स्वयंसेवक से संघ की पहचान जुड़ी है। संघ का मूल उद्देश्य राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखना है। इसलिए सभी सदस्यों को संगठित और सजग रहकर देश के विकास में योगदान देना चाहिए। उन्होंने

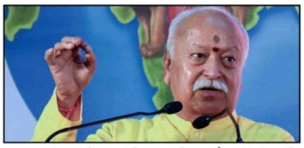

कहा कि वर्ष 1925 में स्थापना के बाद शुरूआती दौर में संघ की उपेक्षा हुई, फिर विरोध का सामना करना पड़ा और आज संघ की सराहना हो रही है। वर्तमान में अनुकूल माहौल को देखते हुए स्वयंसेवकों को अधिक सतर्कता के साथ काम करने की आवश्यकता है। बौद्धिक वर्ग में भागवत ने कार्यकताओं को संपर्क बढ़ाने का एक स्पष्ट सूत्र दिया। उन्होंने कहा कि हर स्वयंसेवक पहले किसी अनजान व्यक्ति से परिचय बढ़ाए, फिर उससे मित्रता करे और अंत में उसे स्वयंसेवक बनाए।उन्होंने पानी के रासायनिक सूत्र (ल्2ड) का उदाहरण देते हुए समझाया कि जिस प्रकार हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के परमाणुओं से जल बनता है, उसी प्रकार स्वयंसेवकों के जुड़ाव से ही संघ का निर्माण होता है। अपने एक घंटे के इस संबोधन में उन्होंने स्वयंसेवकों को संघ के संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार के जीवन मूल्यों और आदर्श विचारों को अपनाने की सीख दी।इस कार्यक्रम में 540 से अधिक स्वयंसेवक उपस्थित रहे। संघ प्रमुख ने कहा कि संघ का आधार तीन प्रमुख स्तंभों पर टिका है, जिनमें शाखा, कुटुंब और अपनत्व शामिल हैं। उन्होंने बताया कि संघ के सभी आनुषांगिक संगठन पूरी तरह स्वतंत्र और स्वावलंबी हैं।जब भी इन संगठनों को वैचारिक मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है, तब संघ उन्हें दिशा दिखाता है। लोकतंत्र में विरोध प्रदर्शनों के स्वरूप पर बात करते हुए मोहन भागवत ने कहा कि आंदोलनों का ध्येय केवल राजनीतिक लाभ पाना या नफरत फैलाना नहीं होना चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में आंदोलनों को समस्याओं के समाधान की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए और सभी कार्य सांविधानिक तथा कानूनी सीमाओं के भीतर ही होने चाहिए।उन्होंने विपक्षी दलों की ओर से संघ पर होने वाले हमलों के प्रति सतर्क रहने की हिदायत भी दी। ब्रिटिश शासन काल का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि तत्कालीन अंग्रेज सरकार संघ को देशभक्त गढ़ने वाली संस्था मानती थी। इसी कारण सरकारी कर्मचारियों और उनके बच्चों के शाखाओं में जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, जिसे भारी विरोध के बाद हटाना पड़ा।

मुख्यमंत्री साय का कांग्रेस पर निशाना, बोले- जनजातीय समाज के लिए अपने काम का हिसाब दे पार्टी

कहा- कांग्रेस ने जनजातीय समाज को वोट बैंक समझा, हमारी सरकार सम्मान, अधिकार और विकास को दे रही प्राथमिकता

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर, । मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जनजातीय समाज के विकास को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि दशकों तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस को बताना चाहिए कि उसने जनजातीय समाज के जीवन में वास्तविक बदलाव लाने के लिए क्या किया।उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने जनजातीय समाज को केवल वोट बैंक के रूप में देखा, जबकि उनकी सरकार समाज के सम्मान, अधिकार और सर्वांगीण विकास को प्राथमिकता दे रही है। मुख्यमंत्री साय ने यह प्रतिक्रिया बस्तर दशहरा के मुरिया

दरबार में शामिल होने पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रवास के दौरान प्रशासनिक तैयारियों को कांग्रेस द्वारा प्रशासनिक दखलंदाजी बताए जाने पर दी। मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने लंबे समय तक देश में शासन किया, लेकिन अब उसे अपने कार्यकाल में जनजातीय समाज के लिए किए गए कार्यों का हिसाब देना चाहिए।

जनजातीय समाज का सम्मान और विकास सरकार की प्राथमिकता

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि उनकी सरकार जनजातीय समाज के सम्मान, अधिकार और सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने जनजातीय समाज के कल्याण और विकास को राष्ट्रीय प्राथमिकता में रखा है। उन्होंने कहा कि जनजातीय कार्य मंत्रालय के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों में शिक्षा, आजीविका, विकास और सशक्तीकरण के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में भी विभिन्न विकास प्राधिकरणों और सरकारी योजनाओं के जरिए जनजातीय अंचलों की जरूरतों के अनुरूप विकास कार्यों को गति दी जा रही है।

बस्तर में विकास और बदलाव का दिया उदाहरण

मुख्यमंत्री ने बस्तर का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों तथा सुरक्षा बलों के साहस से नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक सफलता मिली है।

राष्ट्रीय मुख्य सचिव सम्मेलन में छत्तीसगढ़ की नवाचारपूर्ण पहलें होंगी प्रस्तुत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर, । आगामी मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ की प्रमुख उपलब्धियों, नवाचारों और उत्कृष्ट कार्यों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने की तैयारियां शुरू हो गई हैं।इसी सिलसिले में शुक्रवार को मंत्रालय महानदी भवन में मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में पिछले राष्ट्रीय सम्मेलन से जुड़े विषयों की समीक्षा की गई तथा विभिन्न विभागों के कार्यों की प्रगति और गुणात्मक सुधारों का आकलन किया गया।बैठक में मुख्य सचिव ने संबंधित विभागों के सचिवों को निर्देश दिए कि आगामी राष्ट्रीय सम्मेलन में छत्तीसगढ़ की नवाचारपूर्ण पहलों और विकास कार्यों को प्रमुखता से प्रस्तुत किया जाए।इसके लिए शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य और पोषण जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में किए गए उत्कृष्ट कार्यों की जानकारी निर्धारित समय-सीमा में तैयार करने को कहा गया, ताकि राज्य की उपलब्धियों और सकारात्मक परिणामों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावी ढंग से सामने रखा जा सके।

आंगनबाड़ी केंद्रों में खिलौना बैंक की पहल को सराहना

बैठक में छत्तीसगढ़ के आंगनबाड़ी केंद्रों में संचालित खिलौना बैंक पहल की विशेष रूप से सराहना की गई।इस पहल के तहत लोग अपने बच्चों के पुराने खिलौने आंगनबाड़ी केंद्रों में जमा करते हैं।इन खिलौनों का उपयोग बच्चों के मानसिक विकास और सीखने की प्रक्रिया को प्रोत्साहित करने के लिए किया जाता है।साथ ही, इसके माध्यम से बच्चों के पोषण और समग्र विकास के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने का भी प्रयास किया जा रहा है।इस पहल के अंतर्गत अब तक एक लाख से अधिक खिलौने जमा किए जा चुके हैं।इसे जनभागीदारी के माध्यम से बच्चों के विकास को बढ़ावा देने वाली अभिनव पहल के रूप में प्रस्तुत करने पर जोर दिया गया।

विकसित भारत 2047 के लक्ष्यों पर होगा मंथन

राष्ट्रीय सम्मेलन में विकसित भारत 2047 के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए चार प्रमुख सत्र आयोजित किए जाएंगे। इनमें विकसित भारत के लिए विशिष्ट प्राथमिकताओं और उद्देश्यों, आर्थिक विकास एवं राज्य के वित्त को मजबूत बनाने में खनन क्षेत्र की भूमिका,

सुशासन में तकनीक के प्रभावी उपयोग तथा सड़क और अन्य आधारभूत संरचना परियोजनाओं को समय-सीमा में पूरा करने के लिए नए विचारों और बेहतर कार्यप्रणाली पर चर्चा होगी। इसके अलावा स्वास्थ्य एवं पोषण, गैर-कृषि कार्यों में उर्वरकों के दुरुपयोग पर नियंत्रण, प्राकृतिक गैस के उपयोग को बढ़ावा देने और अंतरराज्यीय प्रतिस्पर्धा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।

एक्शन ट्रैकिंग सिस्टम से होगी कार्यों की निगरानी

बैठक में एक्शन ट्रैकिंग एंड मॉनिटरिंग सिस्टम के माध्यम से विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। इसके जरिए निर्धारित लक्ष्यों की स्थिति, कार्यों में हुई प्रगति और गुणात्मक सुधारों का आकलन किया गया। मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ आवश्यक जानकारियां तैयार करें और निर्धारित समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करें।

बैठक में कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारी रहे मौजूद

बैठक में नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती शहला निगार, खाद्य विभाग की सचिव सुश्री रीना बाबा साहेब कंगाले, मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण विभाग के सचिव श्री मुकेश कुमार, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग के सचिव श्री रजत कुमार, आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव श्री अंकित आनंद, कौशल विकास विभाग के सचिव श्री बसवराजू एस., राजस्व विभाग की सचिव श्रीमती शम्मी आबिदी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव श्री यशवंत कुमार, आदिम जाति विभाग के सचिव श्री भुवनेश यादव, जल संसाधन विभाग के सचिव श्री राजेश सुकुमार टोप्पो, स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री अमित कटारिया, गृह विभाग की सचिव श्रीमती नेहा तथा मुख्यमंत्री के विशेष सचिव एवं आयुक्त जनसंपर्क श्री रजत बंसल सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। राष्ट्रीय सम्मेलन के माध्यम से छत्तीसगढ़ की विकास संबंधी उपलब्धियों, जनभागीदारी से संचालित नवाचारों और सुशासन की पहलों को राष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने की दिशा में यह बैठक महत्वपूर्ण रही।

संकट में सहारा बना अपना हेल्प क्यूआर, सड़क दुर्घटना में घायल महिला को मिली त्वरित सहायता

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिला प्रशासन की नवाचारी पहल से लोगों को आपातकालीन सेवाएं आसानी से पहुंच रहीं है। जिले के ग्राम अनरोखा में सड़क दुर्घटना में घायल एक बेसहारा महिला को अपना हेल्प क्यूआर के माध्यम से त्वरित आपातकालीन सहायता उपलब्ध कराई गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम अनरोखा में लगभग 57 वर्षीय वृद्ध महिला सोमारी को एक अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल हो गई जिससे उनके पैर में फ्रैक्चर हो गया। दुर्घटना के तत्काल बाद स्थानीय नागरिकों ने अपना हेल्प क्यू आर स्कैन कर आपातकालीन सहायता प्राप्त की। सूचना पर डायल 112 की टीम मौके पर पहुंची और घायल महिला को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भटगांव पहुंचाया, जहां उनका प्राथमिक उपचार किया गया।

प्राथमिक उपचार के पश्चात महिला को 108 एम्बुलेंस की सहायता से जिला चिकित्सालय सूरजपुर पहुंचाकर भर्ती कराया गया। जिला प्रशासन सूरजपुर के सहयोग एवं समन्वय से संचालित अपना हेल्प क्यू आर की पहल आपातकालीन परिस्थितियों में एक क्यूआर स्कैन जरूरतमंद व्यक्ति तक समय पर सहायता पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बन रहा है।

शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अधोसंरचना से जुड़े कार्यों को दें प्राथमिकता : रेना जमील

0 3 दिन में रिक्लेमेशन प्लान प्रस्तुत करने के निर्देश
0 कलेक्टर ने बैठक लेकर की माइनिंग क्लोजर एवं सीएसआर मद की समीक्षा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शुक्रवार को यहां संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की अध्यक्षता में माइनिंग क्लोजर एवं सीएसआर मद की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास, लंबित कार्यों की प्रगति एवं अधोसंरचना विकास से जुड़े विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की गई।

कलेक्टर श्रीमती जमील ने सीएसआर मद से संचालित एवं लंबित कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अधोसंरचना विकास से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने पूर्व बैठक में दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा करते हुए लंबित प्रस्तावों की स्वीकृति एवं प्रगति सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही अधोसंरचना संबंधी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि जिले के समग्र विकास एवं खनन प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए एसईसीएल के सीएसआर मद का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करें उन्होंने जनहित से जुड़े आवश्यक कार्यों की प्राथमिकता निर्धारित कर योजनाबद्ध तरीके से क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए, ताकि स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्यों का लाभ आमजन को मिल सके।

माइनिंग क्लोजर की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को रिक्लेमेशन प्लान आगामी तीन दिवस के भीतर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खनन कार्य पूर्ण होने के पश्चात पर्यावरण संरक्षण एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यक सुरक्षात्मक उपाय तथा भूमि पुनर्स्थापन संबंधी कार्य सुनिश्चित करें। साथ ही माइनिंग क्लोजर प्लान के अंतर्गत प्रस्तावित कार्यों का एजेंडा प्रस्तुत करने तथा लंबित प्रकरणों पर की गई कार्रवाई का प्रतिवेदन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने निर्धारित कार्यों की प्रगति में तेजी लाने तथा संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के भी निर्देश दिए। बैठक में डिप्टी कलेक्टर प्रशांत कुशवाहा,माइनिंग ऑफिसर भूषण पटेल, संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पशु सखियों के लिए आरसेटी में शुरू हुआ 15 दिवसीय प्रशिक्षण, कलेक्टर ने लाभ लेने किया प्रोत्साहित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने, कौशल विकास के माध्यम से स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा निरंतर प्रयास किया जा रहा है इसी कड़ी में कलेक्टर श्रीमती रेना जमील एवं जिला पंचायत सीईओ विजेंद्र सिंह पाटले की उपस्थिति में जनपद पंचायत सूरजपुर ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान में 15 दिवसीय पशु सखियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। जहां 30 पशु सखियां प्रशिक्षण का लाभ ले सकेंगी। कलेक्टर ने पशु सखियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण से उन्हें रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं की देखभाल एवं उनके स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान में भी सहूलियत होगी। उन्होंने पशु सखियों को प्रशिक्षण अवसर का लाभ लेने तथा प्राप्त ज्ञान का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालकों की सहायता के लिए करने हेतु प्रेरित किया। इस अवसर पर पशु सखियों को प्रशिक्षण किट का वितरण भी किया गया। गौरतलब है कि इस 15 दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान पशु सखियों को पशुओं के स्वास्थ्य, देखभाल, प्राथमिक उपचार एवं पशुपालन संबंधी आवश्यक तकनीकी जानकारी प्रदान की जाएगी। पशु सखियों के माध्यम से ग्रामीण पशुपालकों को स्थानीय स्तर पर मार्गदर्शन उपलब्ध कराने, पशुपालन गतिविधियों को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण परिवारों की आजीविका को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

इस अवसर पर उपसंचालक, पशु चिकित्सा विभाग, आरसेटी के कर्मचारी एवं राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क के किनारे पेड़ से टकराई अनियंत्रित हाइवा, चालक परिचालक फंसे, एक गंभीर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। गुरुवार की देर रात समीपस्थ ग्राम पर्री के समीप साइड देने के दौरान एक हाईवा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे लगे पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि हाईवा वाहन जे सामने का हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। बताया गया है कि हादसे के बाद वाहन का चालक और परिचालक गाड़ी के अंदर ही बुरीतरह से फंस गए थे। जिन्हें मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने काफी मशक्कत के बाद बाहर निकाला और उपचार के लिए तत्काल जिला अस्पताल भिजवाया गया। हादसे में आहत परिचालक की

स्थिति नाजुक बताई गई है। जिसका जिला अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हाईवा चालक सामने से जा रही वाहन से साइड लेने की कोशिश कर रहा था, इसी दौरान वाहन ओर से नियंत्रण खो दिया और हाइवा अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। बताया गया है कि हाइवा सूरजपुर से भैयाथान की ओर जा रही थी। इसी दौरान यह हादसा हो गया। हाइवा वाहन बसदेई की बताई गई है।

प्रशासन की पहल से शब्दबीज को मिला नया आयाम, एक जिला-एक शब्द से जुड़ें नौनिहाल

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। एक शब्द प्रतिदिन, ज्ञान का वृक्ष जीवनभर की भावना के साथ जिले की प्राथमिक शालाओं में संचालित शैक्षणिक नवाचार शब्दबीज को जिला प्रशासन ने एक नई दिशा और व्यापक स्वरूप दिया है। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील की

प्रेरणा से अब इस नवाचार के अंतर्गत एक शब्द प्रतिदिन के साथ एक जिला - एक शब्द की पहल भी शुरू की गई है। इस पहल के तहत जिले की कक्षा पहली से पाँचवीं तक के लगभग 49 हजार बच्चों ने एक साथ सप्ताह का साझा शब्द सतर्क सीखा। यह केवल एक नया शब्द सिखाने की गतिविधि नहीं, बल्कि बच्चों में सामूहिक सीखने की भावना विकसित करने का प्रयास है। जिसके अंतर्गत मैं अकेला नहीं सीख रहा, मेरा पूरा जिला मेरे साथ सीख रहा है। जब जिले के अलग-अलग क्षेत्रों, गाँवों और विद्यालयों के बच्चे एक ही दिन एक साझा शब्द सीखते हैं, तो उनके बीच सीखने की एक साझा पहचान बनती है। शब्दबीज नवाचार के अंतर्गत बच्चे प्रतिदिन नए शब्द सीखते हैं। अब जिला प्रशासन की नई पहल इस व्यक्तिगत सीख को सामूहिक अनुभव से जोड़ रही है। एक शब्द प्रतिदिन जहाँ प्रत्येक बच्चे की शब्द-संपदा बढ़ाने पर केंद्रित है, वहीं एक जिला - एक शब्द पूरे जिले के बच्चों को एक साझा शैक्षणिक गतिविधि से जोड़ता है। इससे एक ओर बच्चों को अतिरिक्त शब्द सीखने का अवसर मिलेगा, वहीं दूसरी ओर उनमें यह अनुभूति विकसित होगी कि वे जिले के हजारों बच्चों के साथ एक ही शैक्षणिक यात्रा का हिस्सा हैं। विद्यालयों में शिक्षक साझा शब्द के अर्थ, उच्चारण, वाक्य-प्रयोग और दैनिक जीवन में उसके उपयोग से संबंधित गतिविधियाँ करा सकेंगे।

विश्वास की कहानी कहती है, श्री नवयुवक दुर्गा मंडल की चार दशक लंबी यात्रा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कुछ परंपराएँ समय के साथ केवल पुरानी नहीं होतीं, बल्कि पीढ़ियों की आस्था और संस्कारों का हिस्सा बन जाती हैं। नगर के भैयाथान रोड स्थित श्री नवयुवक दुर्गा मंडल की चार दशक लंबी यात्रा इसी विश्वास की कहानी कहती है। माँ दुर्गा की आराधना से शुरू हुआ यह सफर आज धार्मिक आयोजनों, सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और जरूरतमंदों की सहायता तक विस्तृत हो चुका है। इस वर्ष रात्रि जागरण के दौरान भजन गायिका नंदनी श्रीवास्तव तथा गायक ओम सराफ और राजन सराफ ने माँ दुर्गा की महिमा का गुणगान करते हुए अपनी प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भावविभोर किया। भजनों की मधुर धुनों पर भक्त झूमते रहे। मध्यप्रदेश से आई अलौकिक संजीव झांकियों ने धार्मिक प्रसंगों को सजीव रूप में प्रस्तुत कर कार्यक्रम को विशेष आकर्षण प्रदान किया। सूरजपुर की महारानी और पंडाल वाली माँ दुर्गा के दरबार में आयोजित चुनरी उत्सव ने भक्तों की भावनाओं को विशेष अभिव्यक्ति दी। सुगंधित पुष्पों से निर्मित भव्य गजरामाला अर्पित कर माता का आकर्षक श्रृंगार किया गया।

1986 से जारी है मंगलवार संकीर्तन की परंपरा

श्री नवयुवक दुर्गा मंडल की सबसे महत्वपूर्ण पहचान उसकी नियमित धार्मिक साधना है। मंडल के ऐतिहासिक विवरण के अनुसार, 10 अक्टूबर 1986 से शुरू हुई मंगलवार संकीर्तन की परंपरा विभिन्न परिस्थितियों के बावजूद निरंतर आगे बढ़ती रही है। उपलब्ध विवरण में अब तक 2,088 मंगलवार संकीर्तन आयोजित किए जाने का उल्लेख है।वर्ष 1986 में जागरूक मानस मंडली, साहूपारा की गतिविधियों को आगे बढ़ाते हुए मंडल का पुनर्गठन किया गया था। इस मंडली का संचालन जोखनलाल साहू और विजय शंकर साहू करते थे। मंडली के विलय के बाद श्री नवयुवक दुर्गा मंडल ने नए स्वरूप में अपनी धार्मिक एवं सामाजिक यात्रा प्रारंभ की।इस पहल को मजबूत आधार देने वालों में स्वर्गीय बालकिशन मित्तल, स्वर्गीय ओमप्रकाश सोनी, स्वर्गीय अनूप कुमार साहू, स्वर्गीय बनारसी ठाकुर, मदनलाल अग्रवाल, रामकृपाल साहू, रमेश अग्रवाल और सूरज अग्रवाल सहित अनेक

संस्थापकों की विरासत को नमन कर मंडल ने सामाजिक सेवा के संकल्प को किया साकार

सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वार्षिकोत्सव के दौरान संस्थापकों और दिवंगत सहयोगियों को श्रद्धापूर्वक याद किया गया।वर्ष 1988 में रामभज अग्रवाल की प्रेरणा से माँ बागेश्वरी देवी धाम, कुदरगढ़ में चैत्र नवरात्रि के अवसर पर भंडारे की शुरुआत की गई। षष्ठी से अष्टमी तक भंडारा और महाअष्टमी की रात जागरण इस आयोजन के प्रमुख अंग रहे हैं।वर्ष 1993 से देवगढ़ धाम स्थित प्राचीन अर्धनारीश्वर महादेव मंदिर में श्रावण मास के दौरान रुद्राभिषेक, भंडारा और संकीर्तन आयोजित किए जा रहे हैं। वर्ष 1998 से माँ दुर्गा भवानी मंदिर, जमड़ी भैयाथान के बसंत पंचमी पर होने वाले वार्षिक उत्सव में भी मंडल सहयोग करता रहा है। यहाँ धार्मिक कार्यक्रमों के साथ मंदिर के जीर्णोद्धार संबंधी कार्यों में सहभागिता की गई।सूरजपुर के प्राचीन पंच मंदिर में वर्ष 1987 से नवरात्रि की प्रतिपदा पर सदस्यता अभियान और नई कार्यकारिणी के गठन की परंपरा है। वहीं, वर्ष 2009 से केतक रोड स्थित श्री हनुमान मंदिर में हनुमान जयंती पर जागरण एवं संकीर्तन आयोजित किए जा रहे हैं, जिसमें मारुति सेवा समिति का विशेष सहयोग मिलता है। वर्ष 2003 से विश्रामपुर में मंडल की दूसरी शाखा भी धार्मिक गतिविधियों के संचालन में सक्रिय है।

विवाह और उपचार में सहायता, मानव सेवा को दी प्राथमिकता

मंडल ने धार्मिक आस्था को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ते हुए जरूरतमंद परिवारों की सहायता को भी अपनी गतिविधियों का हिस्सा बनाया है। मंडल के विवरण के अनुसार, 15 से अधिक असमर्थ परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग दिया गया है। इसके अतिरिक्त 50 से अधिक समर्थ परिवारों की बेटियों के विवाह में भी सहायता प्रदान की गई।जरूरतमंद लोगों के उपचार एवं स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं में मदद करने के साथ विभिन्न मंदिरों के जीर्णोद्धार में योगदान दिया गया है। आर्थिक कठिनाइयों के बीच विवाह की जिम्मेदारी निभा रहे परिवारों या उपचार के लिए सहायता तलाश रहे लोगों के लिए यह सहयोग महत्वपूर्ण संबल बना। इन प्रयासों से मंडल ने यह संदेश दिया कि धार्मिक संस्थाओं की भूमिका पूजा-पाठ के साथ समाज के दुःख-दर्द में सहभागी बनने की भी है।

सात चरणों में हुआ धर्माचार्यों और जनप्रतिनिधियों का अभिनंदन

40वें वार्षिकोत्सव पर आयोजित सम्मान समारोह सात चरणों में संपन्न हुआ। इसमें धर्माचार्यों, मुख्य यजमानों, जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ संरक्षकों, समाजसेवियों और मंडल के पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया।ब्राह्मण देवगण जयचंद महाराज, बबलू महाराज और अशोक महाराज का शाल, श्रीफल एवं रोली-तिलक से अभिनंदन किया गया। मुख्य यजमान धर्मवीर अग्रवाल और श्रीमती भगवती देवी अग्रवाल का माता रानी की चुनरी तथा रोली-तिलक से स्वागत किया गया।सार्वजनिक श्री दुर्गा पूजा समिति, भैयाथान रोड के वरिष्ठ संरक्षकों भीमसेन अग्रवाल, ईश्वर चंद्र अग्रवाल, रामअवतार अग्रवाल तथा पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष लाल चंद्र अग्रवाल को सम्मान प्रदान किया गया। सूरजपुर नगर पालिका परिषद की अध्यक्ष श्रीमती कुसुमलता राजवाड़े का नगर की प्रथम नागरिक के रूप में स्वागत एवं सेवा सम्मान किया गया। नगर पालिका परिषद के उपाध्यक्ष शैलेश गोयल, शिवनंदनपुर नगर पंचायत के उपाध्यक्ष अंशुल गोयल एवं प्रवेश गोयल तथा सार्वजनिक श्री गणेश पूजा समिति के निवर्तमान अध्यक्ष विकास मित्तल का भी अभिनंदन हुआ।मंडल के वरिष्ठ सहयोगियों में माँ बागेश्वरी देवी लोकन्यास ट्रस्ट, कुदरगढ़-ओड़गी के मेला अध्यक्ष भुवन भास्कर प्रताप सिंह, सुभाष गोयल, मनोज अग्रवाल, विश्रामपुर शाखा के प्रमुख राकेश अग्रवाल, माँ बनभौरी देवी मंदिर, अंबिकापुर के प्रमुख सुशील अग्रवाल और दीपक अग्रवाल को सम्मानित किया गया।इसके साथ ही मंडल के अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, एनडीएम के व्यवस्थापक एवं डीपीएस के कोषाध्यक्ष नरेश बंसल, वरिष्ठ संगीत शिक्षक कृष्ण चंद्र पुरी और कार्यालय प्रभारी राजेश साहू को उनके समर्पण एवं योगदान के लिए सम्मान प्रदान किया।

कार्यालय कलेक्टर, जिला- बलरामपुर-रामानुजगंज एवं पदेन उप सचिव छत्तीसगढ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

अधिसूचना

बलरामपुर दिनांक 05/06/2026

क्रमांक/3659/भू-अर्जन/कले./2026 – चूँकि राज्य शासन को यह समाधान हो गया है कि नीचे दी गई अनुसूची में वर्णित भूमि की जल संसाधन संभाग बलरामपुर अन्तर्गत करासी व्यपवर्तन योजना अंतर्गत ग्राम करासी तहसील शंकरगढ़ अशासकीय भूमि सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है। अतः भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 (जिसे एतद् पश्चात् अधिनियम 2013 कहा जायेगा) की धारा 19 के तहत यह घोषित किया जाता है, कि इस भूमि का उक्त प्रयोजन के लिये आवश्यकता है।

vuq iph

कुल भूमि का वर्णन :-

1. जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज, 2. तहसील- शंकरगढ़, 3. ग्राम- करासी
4. प.ह.नं.-04, 5. भूमि का क्षेत्रफल-3.837 हे.

ग्रामवार भूमि का वर्णन :-

1. जिला- बलरामपुर-रामानुजगंज 2. तहसील- शंकरगढ़ 3. ग्राम- करासी
4. प.ह.नं.-12 5. भूमि का क्षेत्रफल-3.837 हे०

खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)	खसरा नम्बर	रकबा (हेक्टेयर में)
57	0.081	66	0.024	422/1	0.101
49	0.251	419/2	0.02	432/1	0.089
50	0.02	62	0.089	433/1	0.136
51	0.008	65	0.024	475/2	0.058
56	0.072	144	0.092	479	0.101
64	0.024	421	0.089	480	0.089
148	0.02	437	0.061	435	0.105
26	0.324	465	0.202	419/1	0.008
2	0.445	466	0.121	467	0.049
7	0.061	476	0.072	67/1	0.008
462/1	0.008	152/1/2	0.016	4/2	0.158
468/1	0.016	152/1/1	0.016	5/2	0.087
434/2	0.069	420/1	0.064	4/1	0.154
43/2	0.243	63	0.041	469/1	0.121
कुल योग :-				42	3.837

कलेक्टर,
जिला- बलरामपुर-रामानुजगंज एवं पदेन उप सचिव छत्तीसगढ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी-262704140/1

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2 जिला-सरगुजा (छ०ग०)

रा०प्र०क्र० 20261002170000/ ब-121/2026-27

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका लक्ष्मी देवी पति स्वरूप सिंह, व अन्य 01, निवासी गंगा सूरजपुर कॉलोनी, हरिपुर कला देहरादून (उत्तराखंड) द्वारा अपने स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम चठिरमा स्थित भूमि खसरा नंबर 338/1 रकबा 1.090 हे० भूमि रूपयों की नितांत आवश्यकता होने के कारण अनावेदक राहुल कुमार सोनी आ० अनिल सोनी, निवासी नेहरू वार्ड क्र0 21, सत्तीपारा अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) को रू. 15,00,000/- (पन्द्रह लाख रूपये) में विक्रय करने की अनुमति हेतु आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30/10/2026 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 13/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-2

सीएम कैम्प कार्यालय बगिया की पहल से स्व. मनसुखनी बाई के परिवार को मिला 4 लाख रुपये का मुआवजा

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सहायता मिलने पर परिजनों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की संवेदनशील पहल से फरसाबहार तहसील के ग्राम बारो निवासी रामसाय पैंकरा के परिवार को बड़ी राहत मिली है। उनकी पुत्री स्वर्गीय मनसुखनी बाई की मृत्यु के बाद लंबित मुआवजा प्रकरण में परिवार को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई है। लंबे समय से मुआवजे की प्रतीक्षा कर रहे परिवार के लिए यह राशि आर्थिक संबल बनी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, आंगनबाड़ी सहायिका के रूप में कार्यरत मनसुखनी बाई आंगनबाड़ी केंद्र में खाना बनाने के दौरान आग लगने से गंभीर रूप से झुलस गई थीं। उपचार के दौरान 24 जनवरी 2024 को उनका निधन हो गया था। इस दुखद घटना के बाद स्वर्गीय मनसुखनी बाई के पिता रामसाय पैंकरा ने सीएम कैम्प कार्यालय बगिया पहुंचकर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नाम लिखित आवेदन सौंपा और अपनी समस्या से अवगत कराते हुए सहायता की मांग की। मामले को गंभीरता से लेते हुए मुख्यमंत्री की पहल पर संबंधित विभाग के माध्यम से आवश्यक प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई। इसके बाद रामसाय पैंकरा के परिवार को 4 लाख रुपये की मुआवजा राशि प्राप्त हुई। मुआवजा राशि मिलने से परिवार को आर्थिक राहत मिली है। कठिन समय में

सीएम कैम्प कार्यालय बगिया बना जरुरतमंदों के लिए आशा का केंद्र

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सीएम कैंप कार्यालय बगिया में अपनी समस्याओं और मांगों को लेकर पहुंच रहे आम नागरिकों के आवेदनों पर संबंधित विभागों के माध्यम से कार्रवाई की जा रही है। कार्यालय की पहल से जरूरतमंद लोगों की समस्याओं के निराकरण और उन्हें राहत दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं। रामसाय पैंकरा के परिवार को मुआवजा मिलना इस बात का उदाहरण है कि संवेदनशील पहल और संबंधित विभागों के समन्वय से जरूरतमंद परिवारों को राहत पहुंचाई जा सकती है। सीएम कैंप कार्यालय बगिया के माध्यम से मिल रही सहायता से आम नागरिकों में अपनी समस्याओं के समाधान की उम्मीद मजबूत हो रही है।

राइस मिलर्स की बैठक संपन्न, चावल जमा करने में तेजी लाने के निर्देश

- 27 अक्टूबर तक शत-प्रतिशत चावल जमा नहीं करने वाले मिलर्स पर होगी आवश्यक कार्रवाई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर। कलेक्टर रोहित व्यास की अध्यक्षता में आज जिले के राइस मिलर्स की जिला स्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी धान खरीदी की तैयारियों, कस्टम मिलिंग के अंतर्गत चावल जमा करने की प्रगति तथा संबंधित व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी राइस मिलर्स को निर्धारित समय-सीमा में चावल जमा करने की प्रक्रिया में तेजी लाने और लंबित मात्रा का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर व्यास ने कहा कि धान खरीदी की आगामी व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए कस्टम मिलिंग के अंतर्गत चावल का समय पर जमा होना आवश्यक है। उन्होंने संबंधित मिलर्स को अपने दायित्वों का गंभीरता से निर्वहन करते हुए भारतीय खाद्य निगम (FCI) एवं नागरिक आपूर्ति निगम से संबंधित निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार चावल जमा करने के निर्देश दिए। साथ ही चावल जमा करने में अनावश्यक विलंब नहीं करने और लंबित कार्यों को प्राथमिकता से पूरा करने पर जोर दिया।नक्शे देखें

कलेक्टर ने विशेष रूप से उन राइस मिलर्स को निर्देशित किया, जिनके द्वारा अब तक लगभग 50 प्रतिशत चावल ही जमा किया गया है। उन्होंने ऐसे सभी मिलर्स को आगामी 27 अक्टूबर 2026 तक शेष चावल जमा कर शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित समय-सीमा में चावल जमा नहीं करने अथवा कार्य में लापरवाही बरतने वाले मिलर्स के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में चावल जमा करने की प्रगति की नियमित समीक्षा, शेष मात्रा के अनुरूप कार्ययोजना तैयार करने तथा संबंधित विभागों के साथ समन्वय बनाकर कार्य पूर्ण करने पर जोर दिया गया। कलेक्टर ने कहा कि सभी मिलर्स समय-सीमा का पालन सुनिश्चित करें, ताकि आगामी धान खरीदी व्यवस्था के संचालन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भी चावल जमा करने की स्थिति पर सतत निगरानी रखने तथा लंबित कार्यों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर रोहित व्यास ने सभी राइस मिलर्स से प्रशासन के निर्देशों का पालन करते हुए चावल जमा करने की प्रक्रिया में तेजी लाने और निर्धारित लक्ष्य को समय पर पूरा करने की अपील की। बैठक में संबंधित विभागीय अधिकारियों एवं जिले के राइस मिलर्स की उपस्थिति रही।

कलेक्टर ने वर्ष 2026 के लिए तीन स्थानीय अवकाश घोषित किये

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। कलेक्टर रोहित व्यास ने सामान्य पुस्तक परिपत्र भाग-2 के अनुक्रमांक 04 के नियम 08 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए वर्ष 2026 के लिए जिला जशपुर हेतु तीन दिवस स्थानीय अवकाश घोषित किया है।

घोषित अवकाश के अनुसार –

1. 16 जुलाई 2026, गुरुवार को रथयात्रा पर्व पर
2. 26 अक्टूबर 2026, सोमवार को कुंवर पूर्णिमा 'करम परब त्यौहार पर
3. 09 नवंबर 2026, सोमवार को दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा पर स्थानीय अवकाश रहेगा।

यह अवकाश बैंक एवं कोषालय पर लागू नहीं होगा।

कंडोरा में भव्य दशाई करम महोत्सव, 60 हजार से अधिक समाजजन हुए शामिल

छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा से उमड़ा जनसैलाब; प्रकृति पूजा, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता का दिखा संगम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कुनकुरी। रौतिया समाज द्वारा 22 अक्टूबर को एकादशी के अवसर पर कंडोरा में भव्य दशई करम महोत्सव का आयोजन किया गया। प्रकृति पूजा और पारंपरिक संस्कृति को समर्पित इस महोत्सव में छत्तीसगढ़ सहित झारखंड और ओडिशा से 60 हजार से अधिक समाजजनों ने भाग लिया। आयोजन में समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक रीति-रिवाजों और सामाजिक एकजुटता की झलक देखने को मिली।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राजनांदगांव के सांसद संतोष पाण्डेय और सरगुजा के सांसद चिंतामणि महाराज उपस्थित रहे। इनके अलावा विभिन्न जनजातीय एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों, समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं और महिलाओं ने सहभागिता की।

परंपराओं को अगली पीढ़ी तक पहुंचाना जरुरी : संतोष पाण्डेय

सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि रौतिया समाज अनादिकाल से प्रकृति का उपासक रहा है और उसने अपनी समृद्ध परंपराओं एवं संस्कृति को संरक्षित रखा है। करम पूजा के अवसर पर इतनी बड़ी संख्या में समाजजनों का एकत्रित होना सांस्कृतिक विरासत, आस्था और सामाजिक एकता का प्रतीक है। उन्होंने परंपराओं को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने पर जोर दिया।

कई जिलों और राज्यों से पहुंचे समाजजन

महोत्सव में जशपुर के अलावा सरगुजा, सूरजपुर, कोरबा, सक्ती और रायगढ़ सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से समाजजन पहुंचे। झारखंड और ओडिशा से भी बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। रौतिया समाज के साथ बस्तर के अमनित भतरा, कोरवा और उरांव समाज सहित अन्य समाजों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने आयोजन को व्यापक सामाजिक स्वरूप प्रदान किया।

इस अवसर पर रौतिया समाज के प्रदेश अध्यक्ष हेमनरायण सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष प्रताप सिंह प्रधान, सचिव पालूराम प्रधान, कोषाध्यक्ष बजरंग राम, जिला अध्यक्ष रंजीत सिंह, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह, सचिव हेमराज सिंह और कोषाध्यक्ष राहुल सिंह सहित छत्तीसगढ़, झारखंड एवं ओडिशा के विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जनजातीय संस्कृति और एकता का प्रतीक है करम महोत्सव : चिंतामणि महाराज

सांसद चिंतामणि महाराज ने कहा कि सरगुजा अंचल की जनजातीय परंपराएं और करम पूजा की सांस्कृतिक महत्ता समाज को एक सूत्र में बांधती हैं। कंडोरा में आयोजित यह महोत्सव सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक आस्था और सामाजिक एकता का जीवंत उदाहरण है।

रक्तदान शिविर में युवाओं ने बढ़-चढ़कर लिया हिस्सा

दशई करम महोत्सव के दौरान रौतिया समाज और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा और जनकल्याण का संदेश दिया। रक्तदाताओं को समाज एवं स्वास्थ्य विभाग की ओर से प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। शिविर का उद्देश्य युवाओं को रक्तदान के प्रति प्रोत्साहित करना तथा समाज में स्वास्थ्य जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना था। दशई करम महोत्सव ने प्रकृति के प्रति श्रद्धा, सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण, सामाजिक समरसता और जनसेवा का संदेश दिया। बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता के साथ यह आयोजन रौतिया समाज की सांस्कृतिक पहचान और सामूहिक एकजुटता का प्रतीक बना।

29 को अंबिकापुर में जनजातीय समाज का महाकुंभ, बाबा कार्तिक उरांव की प्रतिमा का होगा अनावरण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। जनजातीय समाज के गौरव, महान समाज सुधारक एवं जनजातीय अधिकारों के प्रखर समर्थक श्रद्धेय बाबा कार्तिक उरांव जी के जन्म शताब्दी समारोह का आयोजन 29 अक्टूबर 2026 को अंबिकापुर में किया जाएगा। समारोह में सरगुजा संभाग सहित छत्तीसगढ़ के विभिन्न क्षेत्रों से लगभग एक लाख लोगों की सहभागिता का लक्ष्य रखा गया है। इस अवसर पर बाबा कार्तिक उरांव चौक में उनकी प्रतिमा का भव्य अनावरण किया जाएगा।

बाबा कार्तिक उरांव जन्म शताब्दी समारोह आयोजन समिति, सरगुजा के तत्वावधान में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। आयोजन को सफल बनाने के लिए समाज के विभिन्न संगठनों, पदाधिकारियों, वरिष्ठजनों, युवाओं एवं महिलाओं को जोड़ने के साथ संभाग के सभी जिलों में जनसंपर्क और प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

इसी सिलसिले में उरांव सामाजिक भवन, पटेलपारा, अंबिकापुर में आयोजित बैठक में समाज के पदाधिकारियों, वरिष्ठजनों एवं युवाओं ने भाग लिया। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, प्रचार-प्रसार, विभिन्न जिलों में संगठनात्मक समन्वय तथा अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों ने सामूहिक प्रयासों से आयोजन को सफल बनाने का संकल्प लिया।

समिति के महासचिव इन्दर भगत ने कहा कि श्रद्धेय बाबा कार्तिक उरांव का संपूर्ण जीवन जनजातीय समाज की अस्मिता, अधिकारों, शिक्षा, सामाजिक एकता एवं उत्थान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने समाज को संगठित, जागरूक और सशक्त बनाने के लिए आजीवन कार्य किया। उनके विचार और आदर्श आज भी समाज को अपनी सांस्कृतिक पहचान एवं अधिकारों की रक्षा के लिए प्रेरित करते हैं।

भगत ने कहा कि जन्म शताब्दी समारोह जनजातीय समाज की एकता, गौरव और सामाजिक चेतना को मजबूत करने के साथ महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का अवसर है। बाबा कार्तिक उरांव चौक पर प्रतिमा अनावरण से आने वाली पीढ़ियों को उनके संघर्ष और आदर्शों से प्रेरणा मिलेगी।

समिति ने समाज के सभी वर्गों, माता-पिता, वरिष्ठजनों, युवाओं, महिलाओं एवं सामाजिक संगठनों से 29 अक्टूबर को आयोजित समारोह में अधिकाधिक संख्या में शामिल होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है।

कंचनपुर में पूर्ण शराबबंदी का ऐलान:शराब बनाने और पीने पर लगेगा जुर्माना, रैली निकालकर ग्रामीणों को किया जागरूक

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरगुजा के कंचनपुर में पूर्णतः शराब बंदी का निर्णय लिया गया है। शुक्रवार को ग्रामीणों ने जागरूकता रैली निकाली और ग्रामीणों को पूर्णतः शराब बंदी के लिए जागरूक किया। ग्रामीणों ने सर्वसहमति से निर्णय लिया है कि गांव में शराब बंदी लागू की जाएगी और शराब पीने एवं बनाने वालों पर अर्थदंड लगाया जाएगा। सरगुजा के केवरी में सबसे पहले शराब बंदी की शुरूआत की गई थी और केवरी में शराब बंदी पूर्णतः सफल रही है। इसके बाद उदयपुर के ग्राम खरसुरा में भी शराबंदी की पहल की गई है। लखनपुर ब्लॉक के कंचनपुर में भी ग्रामीणों ने एकजुट होकर शराब बंदी का निर्णय लिया है।

गांव में शराबबंदी को प्रभावी बनाने के लिए ग्राम पंचायत की पहल पर ग्राम समिति का गठन किया गया है। समिति द्वारा गांव में शराब बनाने, पिलाने और शराब पीकर विवाद करने वालों के खिलाफ आर्थिक जुर्माना लगाने का निर्णय लिया गया है।

ग्राम संगठन के द्वारा बनाए गए नियमों के अनुसार, गांव में शराब बनाने पर 6,000 रुपये, शराब पिलाने पर 3,000 रुपये तथा दूसरे स्थान से शराब पीकर आकर गांव में लड़ाई-झगड़ा करने पर 3,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

जागरुकता रैली निकली

शुक्रवार 23 अक्टूबर को गांव में जागरूकता रैली निकाली गई और शराब के दुष्परिणामों के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।

ग्रामीणों को शराब से दूर रहने की समझाइश दी गई। रैली में बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। पंचायत के प्रतिनिधि भी रैली में शामिल हुए और शराब बंदी के पहल का समर्थन किया है।

स्कॉर्पियो से स्टंटबाजी, चालक पर 10,300 रुपये का जुर्माना

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुर। रणजीता स्टेडियम में स्कॉर्पियो वाहन से खतरनाक स्टंटबाजी करना चालक को भारी पड़ गया। यातायात पुलिस ने वाहन चालक के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए 10,300 रुपये का समन शुल्क लगाया। साथ ही चालक को समझाइश देकर भविष्य में यातायात नियमों का उल्लंघन नहीं करने की चेतावनी दी गई।

जशपुर पुलिस के अनुसार, सार्वजनिक स्थान पर खतरनाक तरीके से वाहन चलाकर स्टंटबाजी करने से चालक के साथ-साथ आसपास मौजूद लोगों की जान भी खतरे में पड़ सकती है। ऐसी लापरवाही गंभीर सड़क दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसी को देखते हुए यातायात पुलिस ने संबंधित चालक के खिलाफ कार्रवाई की।

यातायात नियमों के उल्लंघन पर पुलिस सख्त

डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. लाल उमेद सिंह के नेतृत्व तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राकेश कुमार पाटनवार और डीएसपी ट्रैफिक कुंज राम चौहान के मार्गदर्शन में जिले में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है।पुलिस के अनुसार, 1 जनवरी से 20 अक्टूबर 2026 तक जिले में यातायात नियमों के उल्लंघन के कुल 15,076 प्रकरणों में कार्रवाई की गई। इस दौरान कुल 69,51,900 रुपये का समन शुल्क लगाया गया।कार्रवाई में ओवरस्पीड के 375, नशे की हालत में वाहन चलाने के 375, बिना सीट बेल्ट वाहन चलाने के 970, ओवरलोडिंग के 12, नो पार्किंग के 502, दोपहिया वाहन में तीन सवारी के 605, मालवाहक वाहनों में यात्री परिवहन के 11 और बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाने के 267 प्रकरण शामिल हैं। इसके अलावा अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन पर 11,865 प्रकरणों में कार्रवाई की गई।

मोटर व्हीकल एक्ट की विभिन्न धाराओं में कार्रवाई

यातायात पुलिस ने चालक के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 184, 196, 56/192 और 119/177 के तहत कार्रवाई करते हुए कुल 10,300 रुपये का समन शुल्क लगाया। पुलिस ने चालक को भविष्य में सार्वजनिक स्थानों पर स्टंटबाजी नहीं करने तथा निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाने की हिदायत दी। नियमों का दोबारा उल्लंघन करने पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई।

चालानी कार्रवाई के साथ जागरुकता अभियान

जशपुर पुलिस द्वारा यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए अभियान भी चलाया जा रहा है। पुलिस का उद्देश्य केवल जुर्माना लगाना नहीं, बल्कि वाहन चालकों में जिम्मेदारी की भावना विकसित करना और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाना है।पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। तेज गति, नशे में वाहन चलाने, स्टंटबाजी, ओवरलोडिंग और अन्य यातायात नियमों के उल्लंघन से बचें।पुलिस ने कहा कि यातायात नियमों का पालन केवल पुलिस कार्रवाई से बचने के लिए नहीं, बल्कि अपनी और दूसरों की जिंदगी सुरक्षित रखने के लिए जरूरी है। सड़क पर लापरवाही किसी परिवार के लिए गंभीर संकट बन सकती है। सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाने के लिए आम नागरिकों से सहयोग की अपील की गई है।

बैंक में 36.79 लाख की वित्तीय अनियमितता, तत्कालीन शाखा प्रबंधक के खिलाफ 1500 पन्नों का चालान पेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

कोंडागांव। छत्तीसगढ़ के कोंडागांव जिले में बैंक ऑफ इंडिया की बड़े डोंगर शाखा में 36 लाख 79 हजार 323 रुपये की वित्तीय अनियमितता के मामले में राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण एवं एंटी करप्शन ब्यूरो (ईओडब्लू-एसीबी) ने कार्रवाई की है। जांच एजेंसी ने तत्कालीन शाखा प्रबंधक भावेश विश्वकर्मा के खिलाफ विशेष न्यायालय (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम), कोंडागांव में करीब 1500 पन्नों का चालान पेश किया है।

जांच के अनुसार, भावेश विश्वकर्मा 25 जून 2019 से 18 जनवरी 2022 तक बड़े डोंगर शाखा में शाखा प्रबंधक के पद पर पदस्थ थे। इस दौरान उन पर अन्य अधिकारियों की जानकारी और सहमति के बिना उनकी यूजर आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल कर बैंकिंग सिस्टम के दुरुपयोग का आरोप है।

कई खातों से राशि ट्रांसफर करने का आरोप

विवेचना में बैंक के कार्यालय खातों, फसल बीमा खाते, ग्राहकों के बचत एवं ऋण खातों और स्वयं सहायता समूहों के खातों से अनधिकृत रूप से राशि निकालकर दूसरे खातों में स्थानांतरित किए जाने की बात सामने आई। जांच एजेंसी के मुताबिक, कुल 36,79,323 रुपये बैंक ऑफ बड़ौदा की कोंडागांव शाखा में आरोपी के व्यक्तिगत खाते सहित अन्य खातों में ट्रांसफर किए गए।

2022 में दर्ज हुआ था मामला

भावेश विश्वकर्मा के खिलाफ 4 अप्रैल 2022 को अपराध दर्ज किया गया था। मामले में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की संशोधित धारा 13(1)(क) और 13(2) तथा भारतीय दंड संहिता की धारा 409 के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया।

जांच के दौरान एजेंसी ने बैंकिंग दस्तावेजों, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों और गवाहों के बयानों का परीक्षण किया। जांच में अभियोजन के लिए पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद विशेष न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया गया है।

बैंक ने पहले ही किया था बर्खास्त

इस मामले में बैंक ऑफ इंडिया ने भी विभागीय कार्रवाई की थी। बैंक ने 27 सितंबर 2022 को भावेश विश्वकर्मा को सेवा से बर्खास्त कर दिया था। अब ईओडब्लू-एसीबी की ओर से चालान पेश किए जाने के बाद मामले में न्यायालयीन प्रक्रिया आगे बढ़ेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अंबिकापुर छ. ग. पिन नं. 497001 से मुद्रित व वार्ड क्र. 10 कुनकुरी जशपुर से प्रकाशित। संपादक - लक्ष्मण सिंह